आषाढ़ शुक्ल - 6 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 331 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 01-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा ने वक्फ कानून पर तेजस्वी के रुख की आलोचना की

6 रोगी के लिए स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं डॉक्टर

7 पंचायत वेब सीरीज को दिल के करीब मानते हैं रघुवीर यादव

फर्स्ट टेक

भारत और भूटान ने विकास साझेदारी की समीक्षा की

नई दिल्ली/भाषा। भारत और भूटान ने 2024-2029 के दौरान दिल्ली की ओर से दिये गए 10,000 करोड़ रुपये के सहयोग से क्रियान्वित की जा रही परियोजनाओं की सोमवार को व्यापक समीक्षा'' की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली में आयोजित भारत-भूटान विकास सहयोग वार्ता में भूटान में स्वास्थ्य सेवा, संपर्क और शहरी बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों को कवर करने वाली 1,113 करोड़ रुपये की कुल 10 परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई। इसमें कहा गया है कि भारत और भूटान के बीच घनिष्ठ साझेदारी है, जो सभी स्तरों पर विश्वास, सद्भावना और आपसी समझ पर आधारित है। यह वार्ता भारत-भूटान विकास साझेदारी के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करने के लिए एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय तंत्र है।

रथयात्रा : पुरी की भगदड़ की घटना की प्रशासनिक जांच शुरू

पुरी/भुवनेश्वर/भाषा। पुरी में भगदड़ में तीन लोगों की मौत और 50 अन्य के घायल हो जाने के एक दिन बाद ओडिशा की विकास आयुक्त (डीसी) अनु गर्ग ने सोमवार को इस घटना की प्रशासनिक जांच शुरू कर दी। इस बीच, ओडिशा मानवाधिकार आयोग (ओएचआरसी) ने सोमवार को जिला प्रशासन और पुलिस से भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उचित कदम उठाने को कहा। गर्ग को पुरी में रथ यात्रा के दौरान श्री गुंडिचा मंदिर के पास हुई भगदड़ की घटना की जांच सौंपी गई है। उन्होंने पुरी का दौरा किया और उस जगह का निरीक्षण किया जहां भगदड़ हुई थी। गर्ग अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) भी हैं।

जर्मनी यूक्रेन को तेजी से हथियार बनाने में मदद करेगा

कीव/एपी। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने सोमवार को कहा कि उनके देश का लक्ष्य यूक्रेन को और अधिक तेजी से हथियार बनाने में मदद करना है ताकि कीव रूस के साथ तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति वार्ता में अपनी स्थिति मजबूत कर सके। वेडफुल ने जर्मन रक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ यूक्रेनी राजधानी कीव की यात्रा के दौरान कहा, हम मानते हैं कि हमारा काम यूक्रेन की मदद करना है ताकि वह अधिक मजबूती से बातचीत कर सके। अमेरिका के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय शांति प्रयास युद्ध को रोकने में विफल रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने युद्ध विराम को अस्वीकार कर दिया है और युद्ध के अपने लक्ष्यों से पीछे नहीं हटे हैं।

ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में काम करें युवा डॉक्टर : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने युवा डॉक्टरों से ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में समाज के उन वर्गों के लिए काम करने का आग्रह किया है जिन्हें चिकित्सा सेवाओं की सबसे ज्यादा जरूरत है।

श्रीमती मुर्मु ने सोमवार को गोरखपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के पहले दीक्षांत समारोह में कहा कि इस संस्थान और अन्य एम्स की स्थापना देश के हर कोने में उत्कृष्ट चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि समाज और देश के विकास में डॉक्टरों की अहम भूमिका होती है। डॉक्टर न सिर्फ बीमारियों का इलाज करते हैं, बल्कि स्वस्थ समाज की नींव भी रखते हैं। स्वस्थ नागरिक ही राष्ट्र की प्रगति में भागीदार बन सकते हैं।

उन्होंने युवा डॉक्टरों से समाज के उन वर्गों के लिए काम करने का आग्रह किया जिन्हें चिकित्सा सेवाओं की सबसे ज्यादा जरूरत है। उन्होंने कहा कि कई ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में अभी भी वंचित समुदायों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। उन्होंने विश्वास जताया कि युवा डॉक्टर इस बारे में सोचेंगे और ऐसे इलाकों और लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि डॉक्टरों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है लेकिन सहानुभूति के महत्व को समझना जरूरी है। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा से जुड़े सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे भावी डॉक्टरों को शुरू से ही ऐसा माहौल उपलब्ध कराएं जिसमें वे डॉक्टर-रोगी संवाद, उपचार में सहानुभूति की भूमिका और विश्वास निर्माण जैसे विषयों के साथ-साथ अपने कौशल के बारे में भी जानें तथा उन्हें अपनी कार्यशैली में अपनाएं। उन्होंने डॉक्टरों को सलाह दी कि वे अपने करियर और जीवन में इस बात को याद रखें कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं बल्कि मानवता की सेवा है। उन्होंने डॉक्टरों से कहा कि वे करुणा और ईमानदारी को अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बनाएं।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि एम्स संस्थान भारत की चिकित्सा क्षमता के प्रतीक हैं और इनका नाम सुनते ही मन में विश्वस्तरीय उपचार,उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएं, आधुनिक तकनीक और समर्पित डॉक्टरों की छवि उभरती हैं। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में हर मरीज को उम्मीद की एक नई किरण दिखाई देती है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में वर्ष 2026 के लिए भारत की अध्यक्षता ग्रहण करेंगे मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी सात जुलाई को रियो डि जनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में वर्ष 2026 के लिए भारत की अध्यक्षता ग्रहण करेंगे। मोदी दो जुलाई से नौ जुलाई तक घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह घाना, नामीबिया और त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद के विदेश सत्रों को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही उन्हें कुछ देशों द्वारा अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से भी अलंकृत किये जाने की संभावना है। विदेश मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) दामू रवि ने कहा , प्रधानमंत्री 2-3 जुलाई को घाना का दौरा करेंगे। यह यात्रा 30 वर्षों के बाद हो रही है। राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा ने अभी-अभी भारी जीत के बाद पदभार संभाला है। घाना के साथ भारत के संबंध ऐतिहासिक हैं। हमारे संबंधों के कई दशकों के दौरान, यह बहुआयामी रहा है। दोनों देश अपने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेंगे।

सतत विकास के लिए निजी पूंजी जरूरी : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए निजी पूंजी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह एक जरूरत और महत्वपूर्ण अवसर दोनों है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, स्पेन के सेविला में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंच के 'लीडरशिप' शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि निजी निवेश से पूंजी का सही उपयोग होता है, उत्पादकता बढ़ती है, नवोन्मेष और प्रौद्योगिकी के विकास और उसके सही उपयोग को बढ़ावा मिलता है। ये सभी समावेशी, सतत आर्थिक विकास के लिए जरूरी हैं।

वित्त मंत्री ने अस्थिर एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) प्रवाह और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के दौर में कहा कि निजी पूंजी, विकास वित्त के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में उभरी है।

उन्होंने कहा, ''हाल के वर्षों में, हमने निजी निवेश में उत्साहजनक वृद्धि देखी है। इसे पारंपरिक स्रोतों के साथ-साथ नये वित्तीय साधनों के आने से समर्थन मिला है। हालांकि, निजी पूंजी जुटाना अब भी आवश्यकता से काफी कम है। इसमें निम्न और मध्यम आय वाले देशों को बहुत ही छोटा हिस्सा मिल रहा है।''

सीतारमण ने कहा कि यह निवेश बाधाओं को दूर करने और विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप वित्तीय प्रवाह को बेहतर बनाने के लिए लक्षित प्रयासों की तत्काल आवश्यकता को बताता है।

उन्होंने कहा, ''निजी पूंजी जुटाना केवल एक वित्तपोषण रणनीति नहीं है बल्कि यह विकास के लिए अनिवार्य है। समन्वित कार्रवाई, विचारशील विनियमन और साझा महत्वाकांक्षा के साथ, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि निजी निवेश समावेशी, टिकाऊ और मजबूत विकास के लिए एक ताकत बन जाए।''

उद्घाटन

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को यहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जिसमें आतंकवाद और पाकिस्तान से संचालित आतंकी संगठनों सहित अन्य आतंकवादी समूहों द्वारा किए गए हमलों से हुई मानवीय क्षति को रेखांकित किया गया है। पाकिस्तान द्वारा मंगलवार को जुलाई माह के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता ग्रहण करने से एक दिन पहले इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। 'आतंकवाद की मानवीय कीमत' शीर्षक वाली यह प्रदर्शनी संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित की गई है, जिसमें विश्व भर में जघन्य आतंकवादी कृत्यों के विनाशकारी प्रभावों तथा आतंकवाद से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा उठाए गए कदमों को रेखांकित किया गया है। यह प्रदर्शनी 30 जून से 11 जुलाई तक संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में दो स्थानों पर प्रदर्शित की जाएगी। पाकिस्तान से संचालित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) द्वारा किए गए 2006 के मुंबई आतंकवादी हमलों से लेकर हाल ही में पहलगाम आतंकवादी हमलों तक, प्रदर्शनी में दुनिया भर में किए गए असंख्य आतंकवादी हमलों को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही इन हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकवादी संगठनों के नाम और हमलों के पीड़ितों की राष्ट्रीयता का भी उल्लेख किया गया है। इस प्रदर्शनी को पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के अभियान के लिए वैश्विक समर्थन जुटाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

तेलंगाना में दवा उत्पादन संयंत्र में विस्फोट में 12 लोगों की मौत, 34 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संगारेड्डी (तेलंगाना)/भाषा। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सिगाची इंडस्ट्रीज के दवा उत्पादन संयंत्र में सोमवार को हुए विस्फोट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 34 लोग जख्मी हो गए। यह जानकारी राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने दी।

मंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि जब विस्फोट हुआ तब संयंत्र में लगभग 90 लोग काम कर रहे थे। विस्फोट कथित तौर पर संदिग्ध रासायनिक प्रतिक्रिया के कारण हुआ, जिससे आग भी लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि कुछ श्रमिक लगभग 100 मीटर दूर जाकर गिरे।

राज्य के श्रम मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी के साथ दुर्घटना स्थल का दौरा करने वाले नरसिम्हा ने संवाददाताओं को बताया कि तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा जांच के बाद दुर्घटना का कारण पता चलेगा।

वेंकटस्वामी ने बताया कि 34 घायलों में से 12 की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखा गया है। उन्होंने बताया कि जलने के कारण इन पीड़ितों की श्वसन प्रणाली पर दबाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को उम्मीद है कि शेष 22 लोग भी जल्द ही ठीक हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया और इस घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की।

कंपनी ने कहा कि वह जानमाल के नुकसान पर गहरा शोक व्यक्त करती है और मृतकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है। कंपनी ने इस बात पर जोर दिया कि इकाई का बीमा हुआ था। कंपनी ने प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन भी दिया। सिगाची इंडस्ट्रीज ने यह भी कहा कि प्रभावित उपकरणों और संरचनाओं को बहाल करने के लिए उसके हैदराबाद संयंत्र में उत्पादन लगभग 90 दिनों के लिए रोक दिया जाएगा।

आज का राजनीतिक माहौल भारतीय लोकतंत्र के लिए अनुकूल नहीं : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ विपक्ष लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, न कि कोई विरोधी।

जयपुर/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि आज का राजनीतिक माहौल भारतीय लोकतंत्र और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है। धनखड़ ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि वह (धनखड़) दबाव में हैं। धनखड़ ने कहा कि वह न तो किसी दबाव में काम करते हैं और न ही (किसी पर) दबाव डालते हैं।

जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में राजस्थान प्रगतिशील मंच द्वारा आयोजित स्नेह मिलन समारोह में धनखड़ ने कहा कि आज राजनीतिक आदान-प्रदान की तीव्रता और लहजा देश के लोकतांत्रिक और सामाजिक ताने-बाने के लिए हानिकारक है।

उन्होंने कहा, ''आज की राजनीति का माहौल और तापमान न तो हमारे लोकतंत्र के लिए उपयुक्त है और न ही हमारे प्राचीन सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूप है। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी दुश्मन नहीं होते। सीमा पार दुश्मन हो सकते हैं, लेकिन देश के भीतर कोई दुश्मन नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने विधायी आचरण में अधिक शालीनता का आह्वान किया तथा आगाह किया कि सदन के अंदर जनप्रतिनिधियों के आचरण के चलते जनता में असंतोष पैदा होने से लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास खत्म हो सकता है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र के मंदिरों में जो कुछ हो रहा है, उसे देखना चिंताजनक है। यदि इन संस्थाओं की गरिमा से समझौता किया गया, तो लोग विकल्प तलाशेंगे।

उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि पूर्व सांसद, विधायक सार्वजनिक संवाद की गुणवत्ता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

धनखड़ ने कहा कि संवैधानिक अधिकारियों की अक्सर आलोचना की जाती है, खासकर तब जब राज्य और केंद्र सरकारें अलग-अलग राजनीतिक दलों से संबंधित हों। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे राज्य में राज्यपाल आसानी से निशाना बन जाते हैं। उन्होंने कहा, अब तो उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति को भी नहीं छोड़ा जा रहा। मेरे विचार में यह उचित नहीं है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि विपक्ष लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, न कि कोई विरोधी। उन्होंने खुले विचार और संवाद की वकालत की। उन्होंने कहा, अभिव्यक्ति लोकतंत्र की आत्मा है। लेकिन जब अभिव्यक्ति दमनकारी, असहिष्णु या विरोधी विचारों को खारिज करने वाली हो जाती है, तो वह अपना अर्थ खो देती है। रचनात्मक बहस जरूरी है। दूसरों की बात सुनने से अपने विचारों को मजबूती मिलती है।

ईरान कुछ ही महीनों में शुरू कर सकता है यूरेनियम संवर्धन : ग्रॉसी

वियना/भाषा। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि अमेरिकी हमलों ने ईरानी परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया है मगर वे पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए हैं और इसी वजह से ईरान कुछ ही महीनों में यूरेनियम संवर्धन शुरू कर सकता है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार ग्रॉसी का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे के विपरीत है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान की परमाणु परियोजना को दशकों पीछे धकेल दिया गया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कहा था कि अमेरिकी हमलों में फोर्डो, नतांज़ और इस्फ़हान परमाणु ठिकानों के सेंट्रीफ्यूज को काफी नुकसान पहुँचने से ईरान का परमाणु कार्यक्रम कई वर्षों के लिए

रेलवे के यात्री किराये बढ़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रेलवे के लंबी दूरी के यात्री किरायों में एक जुलाई से वृद्धि की गयी है। बड़े शहरों की उपनगरीय तथा मासिक या त्रैमासिक सीज़न टिकट की दरों में कोई वृद्धि नहीं की गयी है।

रेल मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय रेलवे ने एक जुलाई से मेल-एक्सप्रेस गाड़ियों के अनारक्षित द्वितीय श्रेणी, स्लीपर श्रेणी एवं गैर वातानुकूलित प्रथम श्रेणी के किराये में एक पैसा प्रति किलोमीटर तथा सभी प्रकार की वातानुकूलित श्रेणियों में दो पैसे प्रति किलोमीटर की एक समान वृद्धि की है।

सूत्रों के अनुसार साधारण पैसेंजर श्रेणी की ट्रेनों में अनारक्षित श्रेणी के टिकट की दरों में 500 किलोमीटर तक की दूरी की यात्रा के लिए कोई वृद्धि नहीं की गयी है, जबकि 501 किलोमीटर से 1500 किलोमीटर तक दूरी के टिकट पर पांच रुपये, 1501 से 2500 किलोमीटर के टिकट के लिए 10 रुपये तथा 2501 से 3000 किलोमीटर तक किराये पर 15 रुपये बढ़ाये गये हैं। इन्हीं गाड़ियों के स्लीपर श्रेणी और प्रथम श्रेणी के किरायों में आधा पैसा प्रति किलोमीटर बढ़ाया गया है। उपनगरीय और मासिक या त्रैमासिक सीज़न टिकट की दरों में कोई वृद्धि नहीं की गयी है।

रेल मंत्रालय के वाणिज्यिक परिपत्र में कहा गया है कि तेजस राजधानी, राजधानी, शताब्दी, दूरंतो, वंदे भारत, हमसफर, अमृत भारत, तेजस, महामना, गतिमान, अंत्योदय, गरीब रथ, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, गैर उपनगरीय पैसेंजर गाड़ियों, अनुभूति कोच एवं विस्टाडोम कोच आदि के मूल किराये नई दरों के हिसाब से होंगे। आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट आदि शुल्क पूर्ववत रहेंगे और उनमें कोई वृद्धि नहीं की गयी है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भी पूर्ववत लागू रहेगा।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले रेलवे के यात्री किरायों में वर्ष 2014 में वृद्धि की गयी थी। सभी श्रेणियों के यात्री किराये में 14.2 प्रतिशत और माल भाड़े में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि की गयी थी, जो उस साल 25 जून से प्रभावी हो गयी थी। वर्ष 2019 में मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में अनारक्षित श्रेणी में यात्रियों को प्रति किलोमीटर दो पैसे बढ़ाये गये थे।

01-07-2025 सूर्यास्त 6:39 बजे | 02-07-2025 सूर्योदय 5:46 बजे

BSE	NSE
83,606.46	25,517.05
(-452.44)	(-120.75)

सोना	चांदी
10,014 रु.	119,575 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मृत्यु के बाद

कौन अमर हो कर आया है,
सबको ही इक दिन मरना है।
कैसे कहां मरेगा कोई,
इससे नहीं कभी डरना है।
किसने कैसे जीवन जीया,
उससे किसको क्या करना है।
किंतु मृत्यु के बाद सदा बस,
बहता दुख का ही झरना है।।

अमरनाथ यात्रा के मार्गों पर सुरक्षा बढ़ाई गई

श्रीनगर/भाषा। अमरनाथ यात्रा से पहले दक्षिण कश्मीर के पवित्र गुफा मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों पर उच्च तकनीक वाले उपकरणों की तैनाती समेत कई उच्च स्तरीय सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इस वर्ष पहली बार, अमरनाथ यात्रा के पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों पर रणनीतिक स्थानों पर चेहरा पहचानने वाली प्रणाली (एफआरएस) लगाई गई है। इस तकनीक के ज़रिए 19 जून को आतंकवादी संगठनों के लिए काम करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली थी।

एफआरएस प्रणाली में सक्रिय आतंकवादियों और संदेहास्पद ओवरग्राउंड वर्करों की तस्वीरें फीड की गई हैं ताकि यदि कोई काली सूची में डाला गया व्यक्ति निगरानी कैमरों के दायरे में आता है तो यह प्रणाली तुरंत सुरक्षा बलों को अलर्ट कर दे। एक अधिकारी ने बताया, जैसे ही काली सूची में शामिल कोई भी व्यक्ति कैमरे की जद में आएगा, सुरक्षा बलों द्वारा संचालित निगरानी केंद्र पर हूटर बजने लगेगा, ताकि खतरे को समाप्त करने के लिए वास्तविक समय में कदम उठाए जा सकें। इसके अतिरिक्त, कश्मीर घाटी से गुजरने वाले पूरे यात्रा मार्ग को नो फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है और अधिकारियों ने एक जुलाई से 10 अगस्त तक इन क्षेत्रों में किसी भी यूएवी या ड्रोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया है। दक्षिण कश्मीर हिमालय में भगवान शिव का निवास स्थान माने जाने वाले पवित्र गुफा मंदिर की वार्षिक तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी और रक्षा बंधन के दिन नौ अगस्त को समाप्त होगी।

आने वाले समय में बाजार की स्थिति में सुधार की उम्मीद : एचयूएल चेयरमैन परांजपे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हिंदुस्तान यूनीलिवर लि. (एचयूएल) के चेयरमैन नितिन परांजपे ने कहा है कि अच्छे मानसून, महंगाई में नरमी, ब्याज दर में कमी तथा कर राहत जैसे उपायों से कंपनी को आने वाले समय में बाजार की स्थिति में सुधार की उम्मीद है। उन्होंने कंपनी की सालाना आम बैठक में कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पिछली कुछ तिमाहियों से वृद्धि जारी है और बेहतर उपज के साथ अच्छा प्रदर्शन आगे भी जारी रहने की उम्मीद है। हालांकि, शहरी इलाकों को भी पटरी पर आने की जरूरत है। इसमें कराधान में बदलाव के साथ-साथ महंगाई में नरमी जैसे कारकों से मदद मिलेगी।

इससे लोगों की जेब में अधिक पैसा आएगा। साथ ही मौद्रिक नीति में कुछ बदलावों से अर्थव्यवस्था को लाभ होगा और बाजार धारणा बेहतर होगी। परांजपे ने कंपनी की 92वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों से कहा, ''इसके परिणामस्वरूप हमें धीरे-धीरे सुधार देखने को मिलेगा...।'' उन्होंने कहा, ''अच्छे मानसून, मुद्रास्फीति में नरमी, ब्याज दर में कमी तथा कर राहत जैसे उपायों से कंपनी को अल्प से मध्यम अवधि में बाजार की स्थिति में सुधार की उम्मीद है।''

परांजपे ने कहा, ''इसके साथ हमें विश्वास है कि निकट अवधि और मध्यम अवधि में, हमें बाजार की स्थितियों में सुधार देखने को मिलेगा। कई कारणों से बाजार की स्थितियों में सुधार हुआ है। वृहद आर्थिक स्थितियां बेहतर हो रही हैं।'' एचयूएल के चेयरमैन ने वित्त वर्ष 2024-25 को एक कठिन वर्ष बताया और कहा कि ग्रामीण वृद्धि में सुधार हो रहा है, लेकिन इसकी गति धीमी है। हालांकि, शहरी क्षेत्रों में वृद्धि पूरे वर्ष धीमी रही। उन्होंने कहा, ''इसके परिणामस्वरूप, इस वर्ष मूल्य-आधारित वृद्धि नहीं हुई है। हालांकि, एचयूएल ने मात्रा-आधारित वृद्धि हासिल की।'' एचयूएल का कारोबार 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में दो प्रतिशत बढ़कर 60,680 करोड़ रुपए रहा।

कंपनी की धीमी वृद्धि के बारे में शेयरधारकों की चिंताओं का जवाब देते हुए, परांजपे ने कहा, ''हम दो प्रतिशत की दर से वृद्धि हासिल नहीं करना चाहेंगे, लेकिन तथ्य यह है कि हमने अपनी प्रतिस्पर्धी क्षमता को मजबूत किया है। साथ ही हमने अपने कारोबार को मजबूत करने और क्षमताओं का निर्माण करने के लिए कदम उठाये हैं। यह वित्त वर्ष 2025-26 और उससे आगे के लिए हमारे लिए अच्छा संकेत है।''

राजौरी गार्डन में 'आप' का प्रदर्शन, मंत्री सिरसा को बर्खास्त करने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों और कार्यकर्ताओं ने सोमवार को पश्चिमी दिल्ली के राजौरी गार्डन में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि सिरसा की टिप्पणी उत्तर प्रदेश (उप्र) और बिहार के झुग्गीवासियों के खिलाफ थी।

हालांकि, मंत्री सिरसा या भाजपा की ओर से इन आरोपों पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह विरोध उस बयान के बाद हुआ जिसमें सिरसा ने कहा था, मैं अरविंद केजरीवाल, आतिशी और आम आदमी पार्टी से कहना चाहता हूं कि आप रोहिंग्या और बांग्लादेशियों के लिए जितना चाहे प्रदर्शन कर लें, लेकिन हम उन्हें इस देश में नहीं रहने देंगे हम ऐसी राजनीति में शामिल नहीं होंगे जो दिल्लीवासियों की जान को खतरे में डालती हो। उन्होंने यह भी कहा, वे (रोहिंग्या और बांग्लादेशी) हर जगह अपराध करते हैं और उनकी बस्तियां तोड़ी जाएंगी।

इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए आप विधायक संजय झा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, भाजपा पिछले कई दिनों से झुग्गियों को तोड़ रही है और अब मंत्री सिरसा ने वहां रहने वालों को रोहिंग्या कहकर सीमा पार कर दी है। इनमें से ज्यादातर लोग उप्र और बिहार से हैं। पूर्वांचल के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। हम मांग करते हैं कि सिरसा माफी मांगें या मुख्यमंत्री उन्हें बर्खास्त करें।

प्रदर्शन में शामिल आप नेता विनय मिश्रा ने कहा, चुनाव से पहले यही व्यक्ति झुग्गियों में रहकर प्रचार करते थे और अब आप उन्हीं लोगों का अपमान कर रहे हैं। भाजपा की पूर्वांचलियों के प्रति नफरत कोई नई बात नहीं है। उनके इस बयान का असर दिल्ली ही नहीं, बिहार के चुनावों में भी देखने को मिलेगा।

आप ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर विरोध प्रदर्शन का वीडियो साझा करते हुए लिखा, भाजपा पूर्वांचल के भाइयों-बहनों को बांग्लादेशी रोहिंग्या कहती आई है। अब मंत्री सिरसा ने फिर से पूर्वांचलियों के खिलाफ नफरत फैलाने वाला बयान दिया है। आज 'आप' के नेताओं, कार्यकर्ताओं और पूर्वांचल समाज ने उनके आवास का घेराव किया।

भारत ने अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में कृषि मुद्दों पर अपना रुख कड़ा किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अमेरिकी के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत में कृषि से संबंधित मुद्दों पर अपना रुख कड़ा किया है। इसके साथ, दोनों देशों के बीच बातचीत महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गयी है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल की अध्यक्षता में भारतीय दल अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत को लेकर वाशिंगटन में है। बातचीत को अंतिम रूप देने के लिए भारतीय दल अभी वहां कुछ और समय रुक सकता है।

दोनों पक्ष समझौते को नौ जुलाई से पहले अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। ऐसा नहीं होने पर 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क अमल में आ जाएगा। शुल्क को अप्रैल में नौ जुलाई तक के लिए टाल दिया गया था।

अधिकारी ने कहा, ''यदि प्रस्तावित व्यापार वार्ता विफल हो जाती है, तो 26 प्रतिशत शुल्क फिर से लागू हो जाएगा।''

भारतीय अधिकारियों की अमेरिकी यात्रा को पहले ही तीन दिन बढ़ाकर 30 जून तक कर दिया गया है। पहले प्रतिनिधिमंडल को दो दिन रुकना था। वार्ता 26 जून को शुरू हुई थी।

तेलंगाना के भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में रामचंदर राव की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर संभावित नियुक्ति से नाराज विधायक टी. राजा सिंह ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी को सोमवार को पत्र लिखकर कहा कि वह पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं।

वर्तमान में रेड्डी पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख हैं और पार्टी आलाकमान मंगलवार को नये अध्यक्ष की घोषणा कर सकता है। सिंह ने पत्र में कहा कि राज्य में पार्टी के नये प्रमुख की नियुक्ति का निर्णय न सिर्फ उनके लिए, बल्कि लाखों कार्यकर्ताओं, नेताओं और मतदाताओं के लिए भी झटका और निराशा लेकर आया है, जिन्होंने हर उतार-चढ़ाव में पार्टी के साथ मजबूती से खड़े रहकर उसका साथ दिया है। उन्होंने कहा, ''बहुत दुख के साथ मैंने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का फैसला किया है। श्री किशन रेड्डी जी, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया तेलंगाना विधानसभा के माननीय अध्यक्ष को सूचित करें कि टी. राजा सिंह अब भाजपा के सदस्य नहीं हैं।''

सिंह ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में कई योग्य वरिष्ठ नेता, विधायक और सांसद हैं, जिन्होंने भाजपा के विकास के लिए अथक काम किया है और जिनके पास पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए ताकत, विश्वसनीयता और संपर्क हैं, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कुछ व्यक्तियों ने निजी स्वार्थों के लिए केंद्रीय नेतृत्व को गुमराह किया है तथा पर्दे के पीछे से नियंत्रण करते हुए निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा, ''इससे न केवल जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की कुर्बानियों की अवहेलना होती है, बल्कि पार्टी को अनावश्यक असफलताओं का सामना भी करना पड़ सकता है।'' विधायक ने कहा कि वह एक समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं और जनता के आशीर्वाद एवं पार्टी के समर्थन से लगातार तीन बार निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन आज, मेरे लिए चुप रहना या यह दिखावा करना मुश्किल हो रहा है कि सब कुछ ठीक है।''

बैंकों का सकल एनपीए मार्च में कई दशक के निचले स्तर 2.3 प्रतिशत पर : आरबीआई रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बैंकिंग प्रणाली की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (जीएनपीए) मार्च, 2025 में घटकर कई दशक के निचले स्तर 2.3 प्रतिशत पर आ गई हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

सितंबर 2024 में बैंकों का जीएनपीए 2.6 प्रतिशत था। रिजर्व बैंक की अर्ध-वार्षिक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कहा गया है कि 46 बैंकों के जीएनपीए मार्च, 2027 तक बढ़कर 2.6 प्रतिशत पर पहुंच सकता है।

यहां उल्लेखनीय है कि पिछले दशक के उत्तरार्ध में बैंकिंग प्रणाली के लिए डूबा कर्ज सबसे बड़ी चुनौती रहा है। हालांकि, पिछले कुछ साल के दौरान मुख्य अनुपात के स्तर पर प्रणाली में लगातार सुधार हो रहा है।

वित्तीय स्थिरता वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण, वैश्विक आर्थिक बदलाव से बढ़ती हैं चुनौतियां : मल्होत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि मूल्य स्थिरता की तरह वित्तीय स्थिरता भी आर्थिक वृद्धि के लिए जरूरी है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक बदलाव नीतिगत हस्तक्षेप को चुनौतीपूर्ण बना रहे हैं। उन्होंने जून के लिए वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) की प्रस्तावना में कहा, ''वित्तीय क्षेत्र के नियामक ग्राहकों की सुरक्षा, प्रतिस्पर्धा और नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे दक्षता और वृद्धि में सुधार तथा सुरक्षा और मजबूती के बीच सही संतुलन बनाते हैं।''

गवर्नर के अनुसार, कई संरचनात्मक बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया रूप दे रहे हैं। इसमें व्यापार में बढ़ता विखंडन, प्रौद्योगिकी बदलाव, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''ये आर्थिक आकलन को कठिन और नीतिगत हस्तक्षेप को चुनौतीपूर्ण बनाते हैं। इसलिए, अनिश्चितता के कोहरे से बाहर निकलने के दौरान भी केंद्रीय बैंकों और वित्तीय क्षेत्र के विनियामकों के लिए अपनी अर्थव्यवस्थाओं व वित्तीय प्रणालियों की सुरक्षा में सतर्क, विवेकपूर्ण और चुस्त बने रहना जरूरी है।'' वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में केंद्रीय बैंक की कोशिश अच्छी तरह से काम करने वाली वित्तीय प्रणाली विकसित करने की है, जो न केवल व्यापक आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा दे, बल्कि कुशलतापूर्वक वित्तीय सेवाएं भी प्रदान करे।

भगदड़ रोकने के लिए भीड प्रबंधन प्रोटोकॉल तय किया जाए: सुरजेवाला

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने सोमवार को कहा कि पुरी रथ यात्रा में भगदड़ में जानमाल के नुकसान के लिए जवाबदेही तय की जाए और भीड़ प्रबंधन के वास्ते देशव्यापी मानक प्रोटोकॉल तय करने और राज्यों द्वारा भीड़ सुरक्षा कार्य बल की स्थापना करने जैसे कदम उठाए जाएं।

सुरजेवाला ने दावा किया कि इस घटना से ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार की कुछ ''अक्षम्य विफलताएं'' सामने आती हैं। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''ओडिशा सरकार पर्याप्त पुलिस या सुरक्षा व्यवस्था करने में विफल रही। एम्बुलेंस को एक किलोमीटर दूर खड़ा किया गया था। कोई स्ट्रेचर उपलब्ध नहीं था और घायलों को हाथों में उठाकर ले जाना पड़ा। भगवान जगन्नाथ के रथ से पहले दो ट्रक को आने की अनुमति दी गई थी। परिणामस्वरूप, कई भक्त चपेट में आ गए और गिर गए।''सुरजेवाला ने कहा, ''व्यवस्थाएं गड़बड़ी की कहानी बताती हैं, वीआईपी प्रवेश एक प्रमुख कारक है, सुरक्षा प्रोटोकॉल की कमी और राजनीतिक एवं प्रशासनिक नेतृत्व की विफलता है। सरल सवाल यह है कि क्या हम गलतियों से सीख रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि पुरी के मामले में जवाबदेही तय की जाए और भीड़ प्रबंधन के लिए देशव्यापी मानक प्रोटोकॉल तय करने और राज्यों द्वारा भीड़ सुरक्षा कार्य बल की स्थापना करने जैसे कदम उठाए जाएं।

महाराष्ट्र विधानसभा में नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेला प्राधिकरण की स्थापना के लिए विधेयक पेश

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार ने नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेला प्राधिकरण की स्थापना करने के उद्देश्य से विधानसभा में सोमवार को एक विधेयक पेश किया। महाराष्ट्र में अगले साल 31 अक्टूबर से विशाल कुंभ मेले का आयोजन किया जाएगा।

महाराष्ट्र विधानसभा में मानसून सत्र के पहले दिन पेश किए गए इस विधेयक में नासिक और त्र्यंबकेश्वर सहित आस-पास के क्षेत्रों में कुंभ मेले और उससे जुड़ी गतिविधियों के आयोजन और प्रबंधन के लिए एक प्राधिकरण की स्थापना करने का प्रावधान रखा गया है। इस वर्ष चार जून को देवेन्द्र फडणवीस मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किये जाने के बाद प्राधिकरण पर अध्यादेश जारी किया गया था। विधेयक के अनुसार, नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेला प्राधिकरण में 22 सदस्य होंगे और नासिक संभाग आयुक्त इसका नेतृत्व करेंगे तथा इसमें नासिक के जिलाधिकारी और नासिक रेंज के पुलिस महानिरीक्षक भी उपाध्यक्ष के रूप में शामिल होंगे।

अमरावती में 2026 की शुरुआत में क्वांटम कंप्यूटिंग केंद्र का संचालन शुरू हो जाएगा : मुख्यमंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयवाड़ा/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को घोषणा की कि एक जनवरी 2026 तक अमरावती में एक क्वांटम कंप्यूटिंग केंद्र का संचालन शुरू हो जाएगा, जो राज्य की क्वांटम वैली पहल की शुरुआत होगी।

विजयवाड़ा में 'अमरावती क्वांटम वैली कार्यशाला' को संबोधित करते हुए नायडू ने क्वांटम कंप्यूटिंग की आवश्यकता पर बल दिया और एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और प्रासंगिक उपयोग मामलों की पहचान करने के महत्व पर प्रकाश डाला। नायडू ने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग समय की मांग है। एक जनवरी तक अमरावती में क्वांटम कंप्यूटिंग केंद्र चालू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह क्वांटम वैली की शुरुआत है। नायडू ने यह भी कहा कि राज्य अमरावती को दक्षिण एशिया की पहली क्वांटम वैली के रूप में विकसित करने के लिए तेजी से काम कर रहा है। मुख्यमंत्री ने अमरावती को क्वांटम प्रौद्योगिकियों के लिए वैश्विक राजधानी में बदलने का लक्ष्य रखा है। नायडू ने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग राज्य के तकनीकी परिदृश्य को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नायडू ने निवेशकों और क्वांटम कंप्यूटिंग हितधारकों को अपने संदेश में कहा, ''आज हम अमरावती डिक्लेरेशन की घोषणा करने जा रहे हैं। आपको पूरा आश्वासन देता हूं कि मैं किसी भी बाधा का समाधान करूंगा। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से आंध्र प्रदेश की क्वांटम वैली को विकसित करने में कोई बाधा नहीं आएगी। नायडू ने यह भी कहा कि कार्यशाला में प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्वांटम कंप्यूटिंग विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

भारत वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति के रूप में उभरने को तैयार: अनीश शाह

नई दिल्ली/भाषा। महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक अनीश शाह का मानना है कि चुनौतीपूर्ण भू-राजनीतिक माहौल के बीच भारत वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति के रूप में उभरने के लिए तैयार है।

शाह ने समूह की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने बढ़ते बुनियादी ढांचे, युवा कार्यबल और अनुकूल नीतियों के साथ भारत के लिए विनिर्माण में दुनिया का नेतृत्व करने का अवसर है। उन्होंने कहा, ''मौजूदा भू-राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य चुनौतीपूर्ण है, जिसमें महाद्वीपों में लगातार प्रतिकूल परिस्थितियां हैं। फिर भी, भारत वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति के रूप में उभरने के लिए तैयार है।'' उन्होंने कहा कि महिंद्रा समूह वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त ब्रांड बनने की आकांक्षा रखता है और उसने महत्वपूर्ण प्रगति की है। शाह ने कहा, ''महिंद्रा अपने मूल्यों के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है और वैश्विक अनिश्चितता के बीच भी प्रदर्शन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है। हमारी वृद्धि भारत की कहानी से प्रेरित है ... हम देश के सकल घरेलू उत्पाद के 70 प्रतिशत क्षेत्र में काम करते हैं और हम इस गतिशील अर्थव्यवस्था के अवसरों के साथ जुड़े हुए हैं।''

'लोकतंत्र के लिए दलबदल विरोधी कानून जरूरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए दलबदल विरोधी कानून जरूरी है। उन्होंने पहाड़ी राज्यों के लिए अलग नीति की भी वकालत की।

धर्मशाला के तपोवन में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए), भारत क्षेत्र जोन-2 के दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन में बोलते हुए सुक्खू ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की अखंडता के लिए एक मजबूत दलबदल विरोधी कानून महत्वपूर्ण है। सम्मेलन का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया। सुक्खू ने कहा, ''हिमाचल प्रदेश के इतिहास में पहली बार, लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई किसी सरकार को गिराने का प्रयास किया गया। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष ने वैधानिक रुख अपनाया और संबंधित विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया।'' उन्होंने कहा कि राज्य विधानसभा ने अयोग्य विधायकों की पेंशन रोकने के लिए एक विधेयक पारित किया है, जिसे राज्यपाल की मंजूरी का इंतजार है। सुक्खू का इशारा 2024 के राज्यसभा चुनावों की ओर था, जिसमें तीन निर्दलीय और छह कांग्रेस विधायकों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार हर्ष महाजन के पक्ष में मतदान किया था, जो राज्य में कांग्रेस के सत्ता में होने के बावजूद जीत गए थे।

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच बढ़ती नजदीकियों पर भाजपा चुप : ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आरोप लगाया कि भारत में बांग्लादेशी प्रवासियों की घुसपैठ को लेकर शोर मचाने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच बढ़ती नजदीकियों तथा चीन द्वारा एक वायुसैनिक अड्डे के निर्माण को नजरअंदाज कर रही है।

परभणी में रविवार को एक रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि भाजपा नेता भारत के पड़ोसी देशों की सीमाओं पर उत्पन्न स्थिति को समझने में असमर्थ प्रतीत होते हैं। उन्होंने सवाल किया, ''वे (भाजपा नेता) बांग्लादेशियों के भारत में अवैध रूप से बसने की बात करते रहते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, खुफिया एजेंसियां और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ये सब क्या कर रहे हैं?''

ओवैसी ने दावा किया कि (बांग्लादेश में) मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद बांग्लादेश और पाकिस्तान की नौसेनाएं संयुक्त युद्ध अभ्यास कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तानी नेता अपने बांग्लादेशी समकक्षों से मिल रहे हैं और बांग्लादेश सीमा पर चीन अपना वायुसैनिक अड्डा बना रहा है। अगर युद्ध छिड़ता है, तो यह तीन मोर्चों तक फैल जाएगा। इन खतरों पर विचार करने के बजाय भाजपा के कार्यकर्ता सिर्फ बांग्लादेश से अवैध आव्रजन के बारे में बात करते रहते हैं।'' ओवैसी ने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी भाषा की प्राथमिकता का समर्थन करने वाले लोगों के विरोध के बाद राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को स्कूलों में त्रि-भाषा फॉर्मूले के क्रियान्वयन से जुड़े दो सरकारी आदेशों को रद्द करना पड़ा।

हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने कहा कि विविधता भारत की पहचान और विशेषता है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का कहना है कि भारत की एक भाषा, एक संस्कृति और एक ही विचारधारा होगी। लेकिन अगर ऐसा हुआ, तो भारत एक तानाशाह राज्य बन जाएगा। हम ऐसा नहीं होने देंगे। भारत विभिन्न रंगों का प्रतिनिधित्व करता है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह वैसा ही बना रहे।''

ओवैसी ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण के वास्ते आंदोलन कर रहे मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे के प्रति अपना समर्थन भी व्यक्त किया।

'वंचित वर्गों से शिक्षा का अधिकार छीनने वाला है भाजपा का विकास मॉडल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश में सैकड़ों सरकारी स्कूल बंद करने की तैयारी के दावे वाली खबर का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि भाजपा का विकास मॉडल गरीबों और वंचित वर्ग के बच्चों से शिक्षा का अधिकार छीनने का मॉडल है। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूल बंद करना शिक्षा का अधिकार कानून पर सीधा हमला है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट किया, ''भाजपा का विकास मॉडल ग़रीबों से, खासकर एससी, एसटी और ओबीसी बच्चों से, शिक्षा का अधिकार छीनने वाला मॉडल है। उत्तर प्रदेश में 5,000 से अधिक सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे हैं। 2014 से अब तक देशभर में 84,441 सरकारी स्कूल बंद किए गए हैं, जिनमें से अधिकांश तीन भाजपा शासित राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम में बंद हुए हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि यह सिर्फ स्कूल बंद करना नहीं है, बल्कि संविधान में दिए गए शिक्षा के अधिकार और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के उस ऐतिहासिक कानून पर सीधा हमला है, जिसने हर गांव के बच्चे को स्कूल तक पहुंचाया और नामांकन में ऐतिहासिक बढ़ोतरी की थी। राहुल गांधी ने कहा, ''बाबासाहेब अंबेडकर ने कहा था कि शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पीएगा वह दहाड़ेगा। लेकिन आज शिक्षा ही छीनी जा रही है।'' उन्होंने दावा किया स्कूल बंद करने के फैसले के ख़िलाफ़ छात्र और शिक्षक सड़कों पर हैं, लेकिन सरकार उनकी आवाज़ सुनने के बजाय उन्हें सताने और शिक्षा व्यवस्था को और कमज़ोर करने में जुटी है।

हवालात में मौत मामलों में कड़ी कार्रवाई की स्टालिन की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को हवालात में मौत के मामलों में कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी और अपराध की रोकथाम पर जोर दिया। स्टालिन ने यहां कानून एवं व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हालांकि अपराधों को रोका जाना चाहिए, लेकिन यदि अपराध होता है तो द्रविड़ मॉडल सरकार जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाकर न्याय स्थापित करती है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मादक पदार्थ, अवैध शराब, महिला सुरक्षा और हवालात में मौतों से जुड़े मामलों में कर्तव्य में लापरवाही के खिलाफ सरकार की कार्रवाई बहुत सख्त होगी।

तमिलनाडु में न्याय और सुधार की सख्त जरूरत, मुख्यमंत्री करें तत्काल कार्रवाई : एएनएस प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शिवगंगई जिले के अजीत कुमार की हाल ही में द्रमुक पुलिस कर्मियों के हाथों हिरासत में हुई मौत पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करती है। इस घटना के संबंध में तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन के नौ सवालों पर मुख्यमंत्री स्टालिन से तत्काल स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। सरकार का जवाब संवैधानिक मानदंडों को बनाए रखने और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने की उसकी प्रतिबद्धता का लिटमस टेस्ट होगा। पूछताछ के लिए थिरुप्पुवनम पुलिस स्टेशन ले जाए गए युवक अजितकुमार की नृशंस हत्या बेहद परेशान करने वाली है। यह घटना हिरासत में हिंसा और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा सत्ता के दुरुपयोग की एक स्पष्ट याद दिलाती है। तथ्य यह है कि समान अपराधों के लिए आम जनता को अलग-अलग सज़ा दी जाती है और पुलिस ऐसे अमानवीय कृत्यों को जारी रखती है। भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने मांग की है कि राज्य में न्याय पुलिस सुधार की सख्त जरूरत है। तमिलनाडु सरकार को अजितकुमार की हिरासत में हुई मौत में शामिल पुलिस अधिकारियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्हें उचित सजा मिले। कानून के शासन को बनाए रखने, मानवाधिकारों की रक्षा करने और जवाबदेही और न्याय के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के लिए यह

कार्रवाई आवश्यक है। जिला पुलिस अधीक्षक को निलंबित किया जाना चाहिए और पर्याप्त निगरानी सुनिश्चित करने में विफल रहने के लिए आपराधिक जांच का सामना करना चाहिए, जिससे संभावित रूप से लॉक-अप मौतों के लिए परिस्थितियों को बढ़ावा मिलता है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को इन आरोपों को दूर करने और पुलिस बल में जनता का विश्वास बहाल करने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार के तहत तमिलनाडु पुलिस फर्जी मुठभेड़ों को लेकर विवादों में घिरी रही है, कथित तौर पर राजनीतिक लाभ के लिए रियल एस्टेट उद्योग में उपद्रवियों को खत्म करने और योजनाबद्ध राजनीतिक हत्याओं के पीछे की साजिशों को छिपाने के लिए इनका इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा, निर्दोष व्यक्तियों के खिलाफ झूठे मामले गढ़े गए हैं, और चोटों को बाथरूम में आकस्मिक फिसलन के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

न्यायपालिका द्वारा इस तरह के स्पष्टीकरणों को मौन स्वीकृति दिए जाने से कानून प्रवर्तन एजेंसियों को अत्याचार करने का साहस मिला है, जिसके परिणामस्वरूप पुलिस स्टेशनों के भीतर हिंसा, हमला और मानवाधिकारों का उल्लंघन हुआ है। पुलिस के हाथों में जवाबदेही की कमी और सत्ता का संकेन्द्रण इन मानवाधिकार उल्लंघनों में महत्वपूर्ण रूप से योगदान देता है, जिसके लिए तत्काल सुधार और निगरानी की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पुलिस कानून के दायरे में काम करे और नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करे। तमिलनाडु का पुलिस बल लगभग 90 प्रतिशत मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार है, और जवाबदेही की कमी ने दंड से मुक्ति की संस्कृति को जन्म दिया है। पुलिस अक्सर जनता के प्रति आक्रामक व्यवहार करती है, जबकि कॉर्पोरेट और प्रभावशाली अपराधियों के प्रति नरमी दिखाती है। तमिलनाडु सरकार को कानून के शासन को बनाए रखने और मानवाधिकारों की रक्षा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करनी चाहिए।

केन्द्रीय मंत्री सोनोवाल ने चेन्नई बंदरगाह पर चार परियोजनाओं की रखी आधारशिला

चेन्नई। केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने 30 जून को चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण में कॉर्डेलिया क्रूज़ शिप एमवी एम्प्रेस पर सवार होकर दूसरे आसियान-भारत क्रूज संवाद 2025 का उद्घाटन किया। भारत सरकार के बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत क्रूज़ भारत मिशन सचिवालय इस संवाद का आयोजन कर रहा है। इस प्रमुख दो दिवसीय फोरम में सभी 10 आसियान सदस्य देशों- ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम- और तिमोर लेस्ते के 30 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे, भारत के 40 से अधिक वरिष्ठ सरकारी और उद्योग प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

इस अवसर पर बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर, सचिव (पीएसडब्ल्यू) श्री टीके रामचंद्रन, आसियान में भारतीय राजदूत श्रीनिवास गोत्रु, अतिरिक्त सचिव और पर्यटन महानिदेशक सुमन बिल्ला, क्रूज़ भारत मिशन सचिवालय, चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी और कामराजार पोर्ट लिमिटेड के अध्यक्ष सुनील पालीवाल, तथा तमिलनाडु सरकार के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति, जिनमें डॉ. के. मणिवासन (अतिरिक्त मुख्य सचिव), टीएमटी शिल्पा प्रभाकर सतीश (आयुक्त और एमडी, टीटीडीसी) और थिरु टीएन वेंकटेश (प्रधान सचिव और सीईओ, टीएन मैरीटाइम बोर्ड) भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि 'आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति का आधार है और शांतिपूर्ण, समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। क्रूज़ भारत मिशन हमारे क्रूज़ पर्यटन लक्ष्यों को तेज़ी से साकार करने में सक्षम बनाता है।

इस मौके पर केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने चेन्नई बंदरगाह पर 67.21 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत वाली 4 परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इसके अतिरिक्त, सरकार के 'ग्रीन टग ट्रांजिशन प्रोग्राम' (जीटीटीपी) के अनुरूप - जिसकी घोषणा केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री ने गत6-7 मार्च को श्रीनगर में चिंतन शिविर में की थी। चेन्नई पोर्ट ने औपचारिक रूप से 60 टन बोलार्ड-पुल क्षमता वाले अपने पहले इलेक्ट्रिक ग्रीन टग का अधिग्रहण शुरू कर दिया है, जो घरेलू जहाज निर्माण को बढ़ावा देगा और बंदरगाह परिचालन में उत्सर्जन को कम करेगा।

क्रूज सहयोग को मजबूत करने का संकेत

घोषणा के बाद, केंद्रीय मंत्री ने चेन्नई बंदरगाह पर वर्तमान में खड़े 70 टन क्षमता वाले ग्रीन टग एक्का स्टेंटोर का निरीक्षण किया और इसके संचालन का प्रदर्शन देखा। इसमें 1007 इलेक्ट्रिक, 30 साल की लाइफ वाला 2,728 झथह बैटरी पैक है, जिसमें 8 घंटे का रनटाइम और 1.5 घंटे की रैपिड चार्ज क्षमता है। अबू धाबी, एंटवर्प, ऑकलैंड और रॉटरडैम बंदरगाहों पर ऐसे टग पहले से ही इस्तेमाल में हैं। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महान विजन के तहत हम अपने जल मार्गों को विकास, मैत्री और साझा मूल्यों के सेतु में बदल रहे हैं। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव टी.के. रामचंद्रन ने कहा कि महासागर और नदियाँ हमें अलग नहीं करतीं, बल्कि जोड़ती हैं। क्रूज़ पर्यटन सांस्कृतिक कूटनीति के लिए रणनीतिक है, जो आसियान के साथ गहरे, समावेशी, हरित और समृद्ध गठबंधन के लिए एक शक्तिशाली उपकरण बन सकता है।

आसियान के महासचिव महामहिम डॉ. काओ किम हॉर्न ने एक रिकॉर्डेड वीडियो के माध्यम से कहा कि भारत का विजन और पहल आसियान के 2045 के विजन के अनुरूप हैं और आसियान एक समावेशी, नवीन, जन-केंद्रित और रणनीतिक साझेदारी की आशा करता है।

क्रूज़ भारत मिशन सचिवालय, भारतीय बंदरगाह संघ, चेन्नई और कामराजर बंदरगाह के अध्यक्ष, श्री सुनील पालीवाल, बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने कहा कि क्रूज़ पर्यटन को विकसित करने और सतत समुद्री विकास के लिए संबंधों को गहरा करने में आसियान हमारा महत्वपूर्ण साझेदार है।

प्रधानमंत्री मोदी के सुधारों से नागरिकों का सम्मान और आत्मविश्वास बढ़ा : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन मंत्र न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' ने व्यापक सुधारों की नींव रखी है।

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) के एक दिवसीय दक्षिणी क्षेत्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए सिंह ने कहा कि डिजिटल इंडिया पहल ने नागरिकों की गरिमा और आत्मविश्वास को बढ़ाया है और साथ ही वैश्विक मान्यता भी अर्जित की है। इस कार्यक्रम का आयोजन आईआईपीए की पुडुचेरी क्षेत्रीय शाखा और पुडुचेरी विश्वविद्यालय ने संयुक्त रूप से किया था।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि डिजिटल इंडिया ने निष्पक्षता, पारदर्शिता और प्रौद्योगिकी के इष्टतम उपयोग को बढ़ावा दिया है।

सिंह ने कहा, जीवन की सुगमता, व्यापार की सुगमता, कृषि में सुगमता और शिक्षा में सुगमता ने एक नई कार्य संस्कृति की शुरुआत की है, जिससे भारतीयों में आत्मविश्वास और आत्मसम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि इन सुधारों की वैश्विक स्तर पर भी सराहना हुई है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना जैसी योजनाओं ने पारंपरिक आजीविका को संरक्षित किया है, जबकि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी), सुलभ बैंकिंग के माध्यम से वित्तीय समावेशन, आधार केन्द्रित सेवाएं और अन्य डिजिटल कार्यक्रमों जैसी प्रौद्योगिकी-संचालित पहलों ने लोगों की मानसिकता को बदल दिया है।

पुडुचेरी विश्वविद्यालय के कुलपति पी प्रकाश बाबू, आईआईपीए के महानिदेशक सुरेंद्र नाथ त्रिपाठी, पुडुचेरी के मुख्य सचिव शरत चौहान और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर, सिंह ने पुडुचेरी विश्वविद्यालय में शासन प्रकोष्ठ का उद्घाटन किया और चंडीगढ़ स्थित राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान के टी. गोपीनाथ द्वारा लिखित पुस्तक 'डिजिटल गवर्नेंस इन इंडिया: ट्रांसफॉर्मिंग पब्लिक सर्विस डिलीवरी' का विमोचन किया।

कोई भी पार्टी अन्नाद्रमुक पर हावी नहीं हो सकती : ई. पलानीस्वामी

कल्लाकुरिचि। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ अपनी पार्टी के चुनावी गठबंधन का बचाव करते हुए 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने कहा कि कोई भी दल 30 वर्ष से अधिक समय तक तमिलनाडु पर शासन करने वाली उनकी पार्टी पर हावी नहीं हो सकता, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो। भाजपा के अन्नाद्रमुक पर हावी होने की अटकलों के बीच पार्टी की तीखी आलोचनाओं का जवाब देते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी 50 साल से ज्यादा पुरानी है, उसने तमिलनाडु पर करीब 31 साल तक शासन किया है और इतनी बड़ी पार्टी पर कोई हावी नहीं हो सकता। सत्तारूढ़ द्रमुक और विदुथालाई चिरुथैगल काची (वीसीके) समेत कई पार्टियों ने अन्नाद्रमुक के भाजपा के साथ गठबंधन की कड़ी आलोचना की है।

एक जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी 2026 के विधानसभा चुनाव में जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में बहुमत से सरकार बनाएगी। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एक मजबूत गठबंधन बनाने का विश्वास जताते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि भाजपा के साथ गठबंधन केवल पहला चरण है। भाजपा के साथ गठबंधन करने के लिए अन्नाद्रमुक की आलोचना करने के लिए पलानीस्वामी ने स्टालिन पर निशाना साधा और पूछा कि मुख्यमंत्री को इस बात की चिंता क्यों हो रही है? अन्नाद्रमुक के प्रमुख ने कहा, ''स्टालिन घबरा गए हैं।'' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अन्नाद्रमुक और भाजपा के बीच गठबंधन को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इस बात पर बल देते हुए कि उनकी पार्टी के सत्ता में आने के बाद द्रमुक नेताओं के खिलाफ मामलों को फिर से शुरू किया जाएगा, पलानीस्वामी ने कहा, अब जो पलानीस्वामी आप देखने वाले हैं, वह पहले से अलग होगा।'' अन्नाद्रमुक के नेता ने आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार के दौरान पंजीकरण कार्यालयों सहित कई विभागों में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया, ''कोई भी जगह ऐसी नहीं है जहां भ्रष्टाचार न हो। कमीशन, वसूली, भ्रष्टाचार - ये सब सिर्फ द्रमुक सरकार में ही देखने को मिलता है। यही है द्रमुक के चार साल के शासन की सबसे बड़ी उपलब्धि।''

जानकी शीर्षक विवाद : मलयालम फिल्मोद्योग ने सीबीएसफसी कार्यालय के सामने किया प्रदर्शन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल फिल्म उद्योग के विभिन्न संगठनों ने सोमवार को सुरेश गोपी अभिनीत फिल्म 'जानकी बनाम केरल राज्य' का नाम बदलने की बोर्ड की मांग का विरोध करते हुए यहां केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के क्षेत्रीय कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। निर्माताओं, निर्देशकों, अभिनेताओं और तकनीशियनों ने एक दिन का विरोध प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि सेंसरशिप मंजूरी हासिल करने के लिए फिल्म का शीर्षक बदलने का सीबीएफसी अध्यक्ष (प्रसून जोशी) का निर्देश अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गंभीर उल्लंघन है और यह अनावश्यक धार्मिक सेंसरशिप के समान है।

पुडुचेरी में वी पी रामलिंगम निर्विरोध भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चुने गए

पुडुचेरी। पुडुचेरी विधानसभा के पूर्व मनोनीत विधायक वी पी रामलिंगम को केंद्र शासित प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इकाई का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। वे एस सेल्वागणपति का स्थान लेंगे। पार्टी मुख्यालय ने सोमवार को यह घोषणा की। रामलिंगम इस पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार थे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 29 जून को समाप्त हो गई थी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि कोई अन्य नामांकन प्राप्त नहीं होने के कारण उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। पेशे से कारोबारी रामलिंगम (63) ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत कांग्रेस के साथ की थी और वह 2021 में भाजपा में शामिल हुए थे। उन्हें बधाई देने वालों में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, पुडुचेरी के गृह मंत्री ए नमस्सिवयम, पार्टी विधायक शामिल हैं। रामलिंगम उन तीन मनोनीत विधायकों में से एक थे जिन्होंने पार्टी नेतृत्व के निर्देश के बाद 27 जून को पुडुचेरी विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था। पार्टी सूत्रों ने बताया कि विधानसभा में दो जुलाई को नये सदस्यों को मनोनीत किये जाने की संभावना है।

न्यायालय ने विधायक एम. जगन मूर्ति को अपहरण मामले में गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान किया

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने विधायक एम. जगन मूर्ति को सोमवार को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान कर दिया, जिन्होंने एक लड़के के अपहरण के कथित मामले में अपनी गिरफ्तारी की आशंका जतायी थी। मूर्ति को पूवई जगन मूर्ति के नाम से भी जाना जाता है। वह पुरात्वी भारतम पार्टी के अध्यक्ष हैं, जो तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की सहयोगी पार्टी है। मूर्ति के वी कुप्पम विधानसभा सीट से विधायक हैं।

न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने विधायक द्वारा दायर अपील पर तमिलनाडु पुलिस को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा, यदि याचिकाकर्ता को पुलिस थाने - थिरुवलंगडु में दर्ज प्राथमिकी के संबंध में गिरफ्तार किया जाता है, तो उन्हें 25,000 रुपये के निजी मुचलके पर रिहा किया जाएगा, बशर्ते वह यह वचन दें कि वह जांच में सहयोग करेंगे और गवाहों को धमकी नहीं देंगे या सबूतों से छेड़छाड़ नहीं करेंगे। शीर्ष अदालत मूर्ति द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने मद्रास उच्च न्यायालय के 27 जून के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। उन्होंने दावा किया कि सह-आरोपी के इकबालिया बयान के आधार पर उन्हें इस मामले में फंसाया जा रहा है, जबकि उनके खिलाफ कथित अपराध से जुड़े कोई प्रत्यक्ष या पुष्ट सबूत नहीं हैं। मूर्ति ने दलील दी कि यह मामला राजनीति से प्रेरित है और इसका इरादा उनकी छवि खराब करना है। उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी और कहा था कि उनके खिलाफ कार्यवाही में आगे बढ़ने के लिए प्राथमिक सामग्री मौजूद है। अपहृत लड़के के बड़े भाई ने अपनी जाति से बाहर थेनी जिले की एक युवती से विवाह किया था और यह विवाह कथित तौर पर युवती के परिवार की इच्छा के विरुद्ध था।

सीएसआईआर-एसईआरसी का शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग के लिए समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सीएसआईआर-स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर (सीएसआईआर-एसईआरसी) और बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस ने सीएसआईआर-एसईआरसी में शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान किया।

एमओयू का आदान-प्रदान सीएसआईआर-एसईआरसी की निदेशक डॉ. एन. आनंदवल्ली, बीआईटीएस, पिलानी में पीएसडी की डीन प्रो. अन्नपूर्णा गोपाल, बीआईटीएस, पिलानी में कोर इंजीनियरिंग ग्रुप में डब्ल्यूआईएलपीडी विज्ञान संकाय की आर भारती, मुख्य वैज्ञानिक और सलाहकार (एम) डॉ. एस. परिवलाल, मुख्य वैज्ञानिक और बीकेएमडी के प्रमुख डॉ. के. सतीश कुमार, प्रमुख वैज्ञानिक और समन्वयक डॉ. मोहित वर्मा, मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एमबीअनूप, मुख्य वैज्ञानिक डॉ. (इंजी.) सप्तर्षि सस्मल, मुख्य वैज्ञानिक और डॉ. एस. विष्णु वर्धन, वरिष्ठ प्रमुख वैज्ञानिक की उपस्थिति में किया गया। बैठक में जुलाई-दिसंबर 2025 सेमेस्टर के लिए बिट्स पिलानी के छात्रों के लिए इंटर्नशिप शुरू करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों ने दीर्घकालिक, पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग स्थापित करने में रुचि व्यक्त की। छात्र आवंटन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए विस्तृत इंटर्नशिप आवश्यकताओं के साथ-साथ प्रोफॉर्मा बिट्स पिलानी के साथ साझा किया गया।

'असंतोष' और नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच सुरजेवाला ने कर्नाटक कांग्रेस विधायकों से मुलाकात की

बेंगलूरु। कांग्रेस के कर्नाटक मामलों के प्रभारी पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने राज्य में सत्तारूढ़ दल के भीतर नेतृत्व परिवर्तन की ''अटकलों और असंतोष'' के संकेतों के बीच यहां पार्टी विधायकों के साथ बैठकें शुरू कर दी हैं। बैठकों को हालांकि कांग्रेस आलाकमान और प्रदेश इकाई द्वारा की गई संगठनात्मक कवायद करार देते हुए सुरजेवाला ने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन के बारे में मीडिया में प्रसारित कोई भी खबर केवल 'कल्पना की उपज' है।

उन्होंने कहा, यह आत्ममंथन और राज्य के विकास के लिए एक सतत अभ्यास है। यह एक लंबी प्रक्रिया है। यह एक महीने या डेढ़ महीने की अवधि में होगा, जिसके दौरान मेरी मंत्रियों, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से पहले पार्टी विधायकों, सांसदों, पराजित उम्मीदवारों, जिला कांग्रेस कमेटी

प्रमुखों के साथ बैठक होगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, अपने तीन दिवसीय दौरे के पहले चरण के तहत सुरजेवाला ने सोमवार को चिक्कबल्लापुरा और कोलार जिलों के विधायकों के साथ एक-एक कर बैठकें कीं। सूत्रों ने बताया कि उनसे उनकी शिकायतें सुनने और सरकार के कामकाज पर फीडबैक लेने की उम्मीद है। ये बैठकें इसलिए महत्वपूर्ण हो गई हैं क्योंकि कुछ विधायकों ने हाल में सरकार के कामकाज पर असंतोष जताया है। ये बैठकें ऐसे समय में हो रही हैं जब सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना की टिप्पणी के बाद नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें फिर से शुरू हो गई हैं। राजन्ना ने सितंबर के बाद 'क्रांतिकारी' राजनीतिक घटनाक्रम का संकेत दिया था। पार्टी हलकों में संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बदले जाने की भी चर्चा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद फिलहाल उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के पास है। पत्रकारों से बात करते हुए सुरजेवाला ने कहा कि वह सभी कांग्रेस विधायकों से व्यक्तिगत रूप से मिल रहे हैं ताकि उनके संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में पांच गारंटी योजनाओं की स्थिति को समझा जा सके क्योंकि सरकार ने अपने दो साल पूरे कर लिए हैं।

सुरजेवाला ने कहा कि कर्नाटक देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जो 58,000 करोड़ रुपये सीधे लोगों के बैंक खातों में पहुंचाता है। उन्होंने कहा, ''हम अपने विधायकों से जानना चाहते हैं कि उनके निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस की गारंटियों की क्या स्थिति है, क्या कोई सुधार की जरूरत है तथा क्या और अधिक पारदर्शिता एवं जवाबदेही लाई जा सकती है।'' उन्होंने कहा कि विधायकों से यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि उनके विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस संगठन की क्या स्थिति है।

राजस्थान का पानी पीने वाला किसी के दबाव में काम नहीं करता : जगदीप धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने विपक्ष के दबाव में काम करने के आरोपों पर कहा कि राजस्थान का पानी पीने वालाकिसी के दबाव में काम नहीं कर सकता है। धनखड़ सोमवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में राजस्थान प्रगतिशील मंच पूर्व विधायक संघ के स्नेह मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। समारोह में धनखड़ सहित राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का भी सम्मान किया गया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि राज्यपाल बागड़े की बातों में सटीकता है। राज्यपाल जब प्रान्त में होता है तो सब कुछ आसान नहीं होता। अब तो उपराष्ट्रपति भी इस दायरे में लाए जाते हैं। मैं किसी के दबाव में नहीं आता हूं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला भी दबाव में नहीं आ सकते। राजस्थान का पानी पीने वाला व्यक्ति कभी दबाव में आ ही नहीं सकता।

राजस्थान से बलराम जाखड़ के बाद ओम बिड़ला ऐसे दूसरे अध्यक्ष हैं, जिनको लगातार दूसरी बार अध्यक्ष बनने का मौका मिला है। प्रतिपक्ष का बहुत बड़ा योगदान रहता है। अभिव्यक्ति, वाद विवाद हो, लेकिन अभिव्यक्ति कुंठित हो जाती है तो वातावरण दूषित होता है। अभिव्यक्ति की पहल सार्थक होनी चाहिए। पूर्व विधायकों की मांगों को लेकर धनखड़ ने कहा कि 26 साल पहले बनी आचार समिति में इसके लिए नियम बने थे। जनसेवा से जुड़े रहने के कारण इनको सम्मान मिलना चाहिए। राजनीतिक वातावरण को लेकर कहा कि आज प्रजातंत्र के लिए चिंता और चिंतन का विषय है। भैरोसिंह शेखावत का कोई दुश्मन नहीं मिलेगा, क्योंकि हरिदेव जोशी और शेखावत जैसे नेता क्रोध की राजनीति की सीख नहीं देते थे। नेता इधर उधर पार्टियां बदलते हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि दुश्मनी हो जाये। आज राजनीति का तापमान बढ़ रहा है। हमारी 5 हजार साल की संस्कृति बेजोड़ है। आज विधानमण्डलों को सर्वश्रेष्ठ आचरण का पालन करना होगा। उम्मीद है कि हम सब इस ओर ध्यान देंगे। धनखड़ ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कहा कि हमारी मिसाइलों ने सटीक निशाना लगाकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया, जबकि आतंकियों के साथ वंहा की सरकार भी खड़ी थी। आज विश्व में लोगों को कितना पीड़ित होना पड़ रहा है। इजराइल-ईरान,यूक्रेन रसिया जैसे युद्ध चल रहे हैं, लेकिन गांधी के देश की कूटनीति अलग ही पहचान रखती है। युद्ध से अर्थव्यवस्था को चोट लगती है। हर कालखंड में व्यवस्थाएं बदलती हैं। आज भारत दुनिया की 4 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। पिछले 10 साल में भारत दुनिया की अर्थव्यवस्था में रफ्तार वाला देश बना है। यह हमारे लिए बड़ी छलांग है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि मैं भी पूर्व विधायक हूं। मज़ाकिया अंदाज में पूर्व विधायकों ने अपनी पेंशन को 35 हजार से बढ़ाकर 45 हजार करने की मांग की है। शायद राज्य सरकार केखजाने के बारे में सोचकर कम पैसे बढ़ाने के लिए मांग रखी है। अखबारों में खबरें छप रही हैं कि सीएम और राज्यपाल दबाव में काम कर रहे हैं। ऐसा कुछ नहीं है, हम तो केवल संविधान के दबाव में है। किसी के दबाव में आकर हम काम नहीं करेंगे। दबाव की बात करें तो पीओके लार्ड माउंट बेटन के दबाव में बना, जिसकी टीस हमको आज तक है। धारा 356 को लेकर भी राज्यपाल पर दबाव होने की बातें की जाती हैं। देश में 51 बार 356 का प्रयोग हुआ है। संविधान के प्रस्ताव में कभी बदलाव नहीं होता, लेकिन एक बार किया गया। बागड़े ने शिक्षा पर फोकस करने का आग्रह करते हुए कहा कि आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों सहित सभी बच्चों को शिक्षा से जोड़ें तो राष्ट्र का विकास होगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि विधायकी का पद जनहित करने का एक अनुबंध है। हमारी जवाबदेही सिर्फ विधानसभा तक ही सीमित नहीं है। आज राजनीति विचारधारा की जगह आक्षेपों पर चल पड़ी है। इस दूषित राजनीति पर हम सबको ध्यान देना होगा। राजस्थान में विधानसभा के 15 सत्र में कई बार चुनौतियां मिली है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि पूर्व विधायकों का अपने आप में एक अनुभव है। राजनीति में उगते को सलाम है मगर छिपते को कोई नहीं पूछता। पूर्व विधायकों का लोकतंत्र में बड़ा योगदान रहा है। आज सत्तापक्ष और विपक्ष के लोगों में लोकतांत्रिक मूल्यों की कमी सामने आ रही है। आज मंहगाई को देखते हुए पूर्व विधायकों की मांगों का समर्थन करता हूं। राजस्थान विधानसभा में जिम्मेदारों को इनकी मांगों पर विचार होना चाहिए। राजस्थान प्रगतिशील मंच के सरंक्षक विधायक हरिमोहन शर्मा ने मंच की मांगें रखते हुए कहा कि पूर्व विधायकों को प्रशासन कार्यक्रमों में नहीं बुलाते। पूर्व विधायकों के लिए केंद्र सरकार की गाइड लाइन की राज्य सरकारों को पालन करना चाहिए, ताकि पूर्व विधायकों को सम्मान मिल सके।

गुर्जरों की मांगों पर सरकार गंभीर, तीन सदस्यीय मंत्रिमंडल सब कमेटी का किया गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में गुर्जर आरक्षण आंदोलन को लेकर चली आ रही लंबे समय की मांगों पर विचार-विमर्श करने और उनके समाधान की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। रविवार को मंत्रिमंडल सचिवालय ने एक तीन सदस्यीय मंत्रिमंडलीय सब कमेटी के गठन के आदेश जारी किए हैं, जो गुर्जर समुदाय की विभिन्न मांगों पर विचार करेगी। इस नवगठित समिति में विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री अविनाश गहलोत और गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम को शामिल किया गया है। इस समिति का गठन राज्य सरकार की ओर से गुर्जर समुदाय के साथ संवाद स्थापित करने और उनकी चिंताओं का स्थायी समाधान खोजने की दिशा में एक गंभीर प्रयास माना जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि गुर्जर समुदाय द्वारा आरक्षण की मांग को लेकर राजस्थान में लगभग दो दशकों से आंदोलन किया जा रहा है। यह आंदोलन मुख्य रूप से गुर्जरों को अन्य पिछड़ा वर्ग (जइउ) से हटाकर अनुसूचित जनजाति (ड्ढ) श्रेणी में शामिल करने या सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 5% अति पिछड़ा वर्ग आरक्षण देने की मांग पर केंद्रित रहा है।

इस आंदोलन के अगुआ रहे कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला (दिवंगत) और अब विजय बैंसला जैसे नेताओं के नेतृत्व में 2006, 2007-08, 2010, 2015 सहित कई बार बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। कई अवसरों पर इन आंदोलनों ने उग्र रूप धारण कर लिया था, जिसमें सड़क और रेलमार्गों को अवरुद्ध किया गया था, और दुर्भाग्यवश हिंसा भी देखने को मिली थी, जिसके कारण कई लोगों की जान भी गई। पिछली सरकारों ने भी इस मुद्दे को सुलझाने के लिए प्रयास किए थे, जिसमें 5% एसबीसी/एमबीसी आरक्षण के विधेयक पारित करना भी शामिल था, हालांकि कानूनी चुनौतियों के कारण वे अक्सर कोर्ट में खारिज हो गए। हाल ही में जून 2025 में भी, लंबित मांगों को लेकर समुदाय ने महापंचायतों का आयोजन कर सरकार पर दबाव बनाया था।

वर्तमान में गठित यह तीन सदस्यीय मंत्रिमंडलीय सब कमेटी इसी पृष्ठभूमि में कार्य करेगी। समिति का मुख्य उद्देश्य गुर्जर समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा करना, उनकी मांगों का गहन विश्लेषण करना और कानूनी तथा सामाजिक पहलुओं पर विचार करते हुए एक व्यवहार्य समाधान का प्रस्ताव तैयार करना है, जिसे राज्य सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके। इस कदम से उम्मीद है कि गुर्जर आरक्षण आंदोलन से जुड़े लंबित मुद्दों पर एक ठोस और स्थायी समाधान की राह खुलेगी, जिससे राज्य में शांति और सद्भाव बनाए रखने में मदद मिलेगी।

राजस्थान बनेगा सबसे बड़ा बिजली उत्पादक राज्य : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने सोमवार को बांरा कलेक्ट्रेट परिसर में विद्युत आपूर्ति को लेकर समीक्षा बैठक ली। बैठक में विधायक राधेश्याम बैरवा एवं विधायक डॉ ललित मीणा ने जिले में विद्युत आपूर्ति को बेहतर बनाने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर और अग्रणी बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहरी एवं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और किसानों को कृषि कार्यों के लिए प्राथमिकता के आधार पर विद्युत कनेक्शन दिए जाएं।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिजली से संबंधित शिकायतों का तुरंत समाधान किया जाए ताकि उपभोक्ताओं को असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि जिन आवेदकों ने डिमांड नोटिस की राशि जमा कर दी है, उन्हें शीघ्रता से कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएं। पेयजल आपूर्ति के समय बिजली बाधित न हो, इसके लिए भी आवश्यक प्रबंध किए जाएं।

नागर ने ट्रांसफॉर्मर जलने की स्थिति में उन्हें तय समय सीमा में बदलने के निर्देश दिए। साथ ही आरडीएसएस, कुसुम योजना और पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों में विद्युत समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने को कहा।

नागर ने एक ही स्थान पर लंबे समय से कार्यरत तकनीकी हेल्पर्स के स्थानांतरण के भी निर्देश दिए और कहा कि इससे कार्य निष्पादन में पारदर्शिता व प्रभावशीलता आएगी। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायत का समाधान करना तथा तकनीकी खामियों को तुरंत दूर करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

नागर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक राज्य में 125 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा से बिजली सक्षमता का उत्पादन किया जाए, जिससे राजस्थान देश का सबसे अधिक बिजली उत्पादक राज्य बन सके। साथ ही सौर ऊर्जा को बैटरी में स्टोरेज कर दिन में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने पर भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2027 तक किसानों को कृषि सिंचाई के लिए दिन में विद्युत आपूर्ति दी जाएगी।

ऊर्जा मंत्री ने बताया कि सरकार ने कम समय में ही बारां जिले में 26 नए जीएसएस स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग द्वारा हर क्षेत्र में योजनाओं को गति दी जा रही हैं जिससे प्रदेश के नागरिकों को सुगम और सुलभ विद्युत सेवाएं मिल सकें। बैठक में जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

मेहंदीपुर बालाजी में श्रद्धालुओं पर बाउंसरों का कहर, डंडों से पीटा

दौसा। राजस्थान के दौसा जिले में स्थित प्रसिद्ध मेहंदीपुर बालाजी मंदिर एक बार फिर विवादों में घिर गया है। आस्था और विश्वास का केंद्र माने जाने वाले इस मंदिर में सोमवार को जो नजारा देखने को मिला, उसने श्रद्धा को शर्मसार कर दिया। मंदिर प्रांगण में तैनात बाउंसरों ने श्रद्धालुओं पर इस कदर कहर बरपाया कि कई लोग लहूलुहान हो गए। हैरान कर देने वाली बात ये रही कि महिला श्रद्धालुओं तक को इन बाउंसरों की लाठियों से नहीं बख्शा गया।

घटना सोमवार दोपहर की है, जब मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे थे। भीड़ को नियंत्रित करने के नाम पर मंदिर ट्रस्ट द्वारा तैनात बाउंसरों ने श्रद्धालुओं से बदसलूकी शुरू कर दी। लाइन लगाने को लेकर हुई मामूली कहासुनी ने कुछ ही देर में हिंसक रूप ले लिया।पहले बाउंसरों ने गालियां दी, फिर देखते ही देखते लाठी-डंडों से श्रद्धालुओं को पीटना शुरू कर दिया। इस हमले में सात श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। कुछ के सिर फूट गए तो कुछ के हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आईं। लेकिन सबसे शर्मनाक पहलू यह रहा कि घायलों को अस्पताल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी मंदिर प्रशासन ने नहीं उठाई।

वर्दी ने हमें आमजन की सेवा का सुनहरा अवसर दिया : मेहरड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राजस्थान की राजधानी जयपुर में सोमवार को पुलिस महानिदेशक डा रवि प्रकाश मेहरड़ा के सम्मान में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने कहा वर्दी ने हमें आमजन की सेवा का सुनहरा अवसर दिया हैं। इस अवसर पर पुलिस अकादमी के परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह में पुलिस की आठ टुकड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें दो आरपीएस प्रशिक्षु, एक हाड़ी रानी महिला बटालियन, तीन प्रशिक्षु महिला आरक्षक और चौथी और पांचवी बटालियन शामिल थे। डा मेहरड़ा के आगमन पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस मौके डा मेहरड़ा ने परेड का निरीक्षण किया, इसके बाद सेंट्रल बैंड की मधुर धुन पर कदम से कदम मिलाते हुए सभी टुकड़ियों ने उन्हें सलामी दी।

समारोह में डा मेहरड़ा ने अपने पुलिस करियर के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि हर आईपीएस अधिकारी का सपना होता है कि वह इस पद को संभाले और उन्हें यह मौका मिलने पर वह राज्य सरकार, सहकर्मियों और शुभचिंतकों के आभारी हैं। उन्होंने बताया कि जीवन अनुभवों का एक गुलदस्ता है, जिसमें खुशबू के साथ कांटे भी होते हैं। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को नेतृत्व प्रदान करने, अधीनस्थों का मनोबल बढ़ाने और उनके कल्याण के लिए योजना बनाने एवं उसे क्रियान्वित करने की सलाह दी।उन्होंने 35 वर्षों की सेवा से मिली आत्म-संतुष्टि और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने वर्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसने उन्हें आमजन की सेवा करने और पीड़ितों को तत्काल राहत पहुंचाने का सुनहरा अवसर मिला है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से वर्दी के आदर्शों और उसूलों का सम्मान करने के लिए व्यक्तिगत कष्टों और नुकसान से परे होकर आंतरिक मूल्यांकन करने का आग्रह किया।

उन्होंने जोर दिया कि पुलिसकर्मियों को नई चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को अपग्रेड करना होगा और अपनी तकनीकी दक्षता बढ़ानी होगी। अंत में उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया। समारोह में डीजीपी अनिल पालीवाल, मालिनी अग्रवाल, संजय अग्रवाल, अशोक राठौर, रिटायर्ड डीजीपी के एस बैंस, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एस सेंगाथिर, बिनीता ठाकुर, संजीव नार्जारी, विशाल बंसल, दिनेश एमएन सहित जयपुर कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ जैसे कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

लोकतंत्र की आत्मा है संसद, जनविश्वास ही इसकी सबसे बडी पूंजी : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने संसद को लोकतंत्र की आत्मा एवं जनविश्वास ही इसकी सबसे बडी पूंजी बताते हुए कहा है कि संसद और विधानसभाएं केवल विधायी मंच नहीं बल्कि जन आस्था, उत्तरदायित्व और लोकतांत्रिक चेतना के जीवंत प्रतीक है। देवनानी सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय संसद दिवस के अवसर पर देश-विदेश के समस्त सांसदों, विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए यह बात कही।उन्होंने कहा कि यह दिन हमें स्मरण कराता है कि जनप्रतिनिधित्व केवल अधिकार नहीं बल्कि कर्तव्य, सेवा और संवेदनशीलता का दायित्व है।

उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 2018 में 30 जून को अंतर्राष्ट्रीय संसद दिवस के रूप में मान्यता दी गई। यह तिथि इंटर पार्लियामेन्ट यूनियन की स्थापना की स्मृति में निर्धारित की गई जो कि विश्व की संसदों का प्रतिनिधि संगठन है और लोकतांत्रिक मूल्यों, संवाद और विधायी सशक्तिकरण के लिए कार्य करता है। उन्होंने कहा कि संसदीय गरिमा, संवाद की शुचिता, सदन में आचरण की मर्यादा और जनहित की सर्वोच्च प्राथमिकता ये मूल्य जितना हम निभाएंगे, लोकतंत्र उतना ही गहरा और स्थायी होगा। देवनानी ने कहा कि जब संसद सजग होती है तो समाज सशक्त होता है।

जब संवाद सशक्त होता है, तब राष्ट्र विकसित होता है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा को उतनी ही निष्ठा से निभा रहे हैं, जितनी अपेक्षा हमारे संविधान और नागरिकों को हमसे है। देवनानी ने बताया कि राजस्थान विधानसभा ने ई-विधान प्रणाली, सदस्यों के प्रशिक्षण सत्र, प्रश्नकाल की प्रभावशीलता, और नागरिक सहभागिता जैसे कई अभिनव प्रयासों के माध्यम से विधायी कार्यों को अधिक पारदर्शी, डिजिटल और उत्तरदायी बनाया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में नवीन तकनीक और पारंपरिक मूल्यों के संतुलन से ही 21वीं सदी का आदर्श विधायन तंत्र स्थापित हो सकता है।

उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से यह आह्वान किया कि वे जनआकांक्षाओं की सही आवाज बने, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सदन में सार्थक और सकारात्मक विमर्श करें और जनसेवा के संकल्प को जीवन का ध्येय बनाएं। देवनानी ने कहा कि आज का दिन केवल उत्सव नहीं, आत्मचिंतन का अवसर है ताकि हम विधायी गरिमा, लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व और जनसंपर्क की मर्यादा को सशक्त कर सकें ।

केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने किए श्रीनाथजी के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजसमंद। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री और पंचायती राज मंत्रालय में राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल राजसमंद के नाथद्वारा पहुंचे। वहां उन्होंने प्रभु श्रीनाथजी के दर्शन किए। केंद्रीय मंत्री बघेल आज प्रात नाथद्वारा पहुंचे और श्रीनाथजी मंदिर में श्रीनाथजी प्रभु की ग्वाल झांकी के दर्शन किए। दर्शन के बाद बघेल महाप्रभुजी की बैठक पहुंचे, जहां मंदिर परंपरा अनुसार मंदिर के अधिकारी सुधाकर शास्त्री ने उपरना और रजाई ओढ़ाकर प्रसाद भेंट कर उनका सम्मान किया।

इस दौरान बघेल ने कहा कि श्रीनाथजी के दर्शन कर मन आनंदित हो गया। प्रभु से यही प्रार्थना है कि देश की एकता अखंडता बनी रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित राष्ट्र, सुपर पावर का जो सपना है, वो प्रभु की कृपा से पूर्ण हो। उन्होंने कहा कि वे पशुपालन विभाग के मंत्री हैं और गोसेवा पर मंदिर के तिलकायत पुत्र

युवाचार्य विशाल बावा से चर्चा हुई है। उनकी मंशा अनुसार यहां एक वेटनरी कॉलेज खोलने पर बात हुई है। प्रभु के पास काफी भूमि है, ऐसे में जगह की कोई समस्या नहीं है और अगर यहां कॉलेज बनाता है तो प्रभु के गोधन के साथ ही अन्य पशु पक्षियों को भी इसका लाभ मिलेगा। आपातकाल पर बघेल ने कहा कि कांग्रेस आज लोकतंत्र और संविधान की बात करती है, लेकिन असल में आपातकाल के दौरान लोगों के मौलिक अधिकार छीने गए। बोलने की आजादी पर पाबंदी लगी और मीडिया पर सख्ती बरती गई, जिन लोगों ने चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया, वे अब लोकतंत्र की दुहाई दे रहे हैं।

अब गहलोत का खेल खत्म : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बाद अब केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा है। झुंझुनू में पत्रकारों से बातचीत करते हुए शेखावत ने कहा कि अब न केवल प्रदेश की जनता, बल्कि खुद कांग्रेस पार्टी भी अशोक गहलोत के राजनीतिक खेल को समझ चुकी है। इसलिए जब इस बार वे मुख्यमंत्री पद से हटे, तो पार्टी ने उन्हें किसी भी नई भूमिका में जगह नहीं दी।

शेखावत ने कहा कि पहले जब गहलोत मुख्यमंत्री पद से हटते थे, तो पार्टी उन्हें तुरंत दिल्ली बुलाकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में महासचिव जैसे पदों पर नियुक्त कर देती थी लेकिन इस बार उन्हें पूरी तरह से किनारे कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब गहलोत खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए अनर्गल और बेबुनियाद बयानबाजी कर रहे हैं, जो जनता में असर नहीं छोड़ रही।

शेखावत ने गहलोत के उस बयान पर कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हटाने की तैयारी चल रही है, तीखी टिप्पणी देते हुए कहा कि अशोक गहलोत एक ऐसी मानसिक अवस्था से ग्रसित हैं, जो उन्हें अपने समय के हालातों की छायाएं दिखा रही हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि जब गहलोत की सरकार थी, तब होटल पॉलिटिक्स और सरकार गिरने का खतरा हमेशा बना रहता था, शायद वही डर उन्हें अब भी सपनों में दिखाई देता है।

'इंडि' गठबंधन की सरकार बनी तो

बिहार में राजस्थान के स्वास्थ्य मॉडल को लागू करेंगे : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने सोमवार को कहा कि इस साल के अंत में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में अगर 'इंडि' गठबंधन की जीत हुई तो राज्य में 'स्वास्थ्य देखभाल का राजस्थान मॉडल' लागू किया जाएगा। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री ने बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी (बीपीसीसी) के मुख्यालय सदाकत आश्रम में संवाददाता सम्मेलन में यह वादा किया। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में बिहार मामलों के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार भी मौजूद थे।

गहलोत ने दावा किया कि उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल में राजस्थान ने ''अद्वितीय स्वास्थ्य मॉडल'' लागू किया, जिसमें ''शत-प्रतिशत लोगों'' को मुफ्त चिकित्सा बीमा का लाभ मिला, जबकि आयुष्मान भारत योजना ''केवल आबादी के एक हिस्से को लाभ पहुंचाती है''। कांग्रेस नेता ने कहा, ''राजस्थान स्वास्थ्य अधिकार अधिनियम ने प्रत्येक परिवार को मुफ्त जांच, उपचार और दवाइयों की गारंटी दी है। अन्य राज्य में ऐसा स्वास्थ्य मॉडल नहीं है। हम बिहार में सत्ता में आते हैं, तो इसे यहां भी दोहराया जाएगा।''

झारखंड: 'हूल दिवस' के कार्यक्रम से पहले प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के साहिबगंज जिले के भोगनाडीह इलाके में 'हूल दिवस' के अवसर पर आयोजित एक आधिकारिक समारोह से पहले कथित तौर पर एक मंच को गिराए जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कुछ लोगों पर पुलिस ने सोमवार को आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

भोगनाडीह आदिवासी प्रतीक सिदो और कान्हू मुर्मू नामक दो भाइयों का जन्मस्थान है, जिन्होंने 1855-56 में ब्रिटिश शासन और स्थानीय जमींदारों के खिलाफ संथाल विद्रोह का नेतृत्व किया था। इसी विद्रोह की याद में 30 जून को 'हूल दिवस' मनाया जाता है। सिदो-कान्हू मुर्मू हूल फाउंडेशन (एसकेएचएफ) और आतो मांझी वाशी भोगनाडीह (एएमवीबी) के नेतृत्व में ग्रामीण जिला प्रशासन द्वारा 'हूल दिवस' मनाने के लिए बनाए गए एक अलग मंच को कथित तौर पर नष्ट किए जाने का विरोध कर रहे थे। भाजपा की झारखंड इकाई के प्रमुख बाबूलाल मरांडी ने घटना की निंदा की जबकि वरिष्ठ मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि इसके पीछे एक ''सुनियोजित साजिश हो सकती है। एक अधिकारी ने बताया, ''पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े, क्योंकि कुछ ग्रामीणों ने धनुष और तीर से पुलिस पर हमला कर दिया था।'' उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर सिदो-कान्हू भोगनाडीह पार्क को भी बंद कर दिया था। जब पुलिस गेट खोलने के लिए वहां पहुंची तो प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प हो गई थी। साहिबगंज के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने कहा, ''स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है और सरकारी समारोह सुचारू रूप से संपन्न हुआ।'' उन्होंने बताया कि यह घटना सुबह उस समय हुई जब एक समूह ने अलग-अलग इस अवसर को मनाने का प्रयास किया। उपायुक्त हेमंत सती ने बताया कि भोगनाडीह में हर साल राजकीय कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा, ''कुछ लोगों ने अपने निहित स्वार्थों के चलते उपद्रव मचाने की कोशिश की और पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करके भीड़ को तितर-बितर करना पड़ा। इस घटना में कुछ पुलिसकर्मियों को मामूली चोट पहुंची है।''

भाजपा ने वक्फ कानून पर तेजस्वी के रुख की आलोचना की

'नमाजवाद' छिपाने के लिये समाजवाद की आड़ लेने का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को विपक्षी दलों पर संविधान को 'शरिया की स्क्रिप्ट' में बदलने और अपने 'नमाजवाद' को छिपाने के लिए 'समाजवाद' की आड़ लेने का आरोप लगाया।

भाजपा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव की भी उनकी उस टिप्पणी के लिए आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर उनका गठबंधन बिहार में सत्ता में आता है, तो संशोधित वक्फ अधिनियम को 'कूड़ेदान में फेंक देगा'।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि बिहार में राजद-कांग्रेस-वाम दलों के 'इंडिया' गठबंधन ने संविधान के प्रति अपने सम्मान की कमी को दर्शाया है, क्योंकि यह अधिनियम संसद द्वारा पारित किया गया था और उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। त्रिवेदी ने कहा कि वे ना तो संसद का सम्मान करते हैं और ना ही न्यायपालिका का सम्मान करते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने संवाददाता सम्मेलन में निर्वाचन आयोग के मतदाता सूचियों की विशेष गहन समीक्षा करने पर विपक्षी दलों की आलोचना को खारिज कर दिया, जिसकी शुरुआत बिहार से हुई है। उन्होंने कहा कि यह आलोचना उनकी अपरिहार्य हार के मद्देनजर उनकी 'पराजयवादी मानसिकता' से उपजी है। उन्होंने कहा कि ये दल फर्जी मतदाता चाहते हैं, जबकि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि केवल पात्र भारतीय नागरिक ही अपनी पसंद की सरकार चुन सकें। आयोग ने कहा है कि यह एक नियमित प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य केवल पात्र मतदाताओं को ही मतदाता सूची में शामिल करना है।

विपक्षी दलों ने दावा किया है कि आयोग जानबूझकर पात्र मतदाताओं को बाहर कर सकता है। बिहार में विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने की उम्मीद है।

पटना में आयोजित एक रैली में वक्फ (संशोधन) अधिनियम की तीखी आलोचना करने के लिए विपक्षी दलों के नेताओं पर निशाना साधते हुए त्रिवेदी ने कहा कि उनका (विपक्षी दलों का) गठबंधन वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित है। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि 'इंडिया' गठबंधन पिछले दरवाजे से शरिया प्रावधानों को लागू करना चाहता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्य हिंदू अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए आरक्षण की कीमत पर मुसलमानों को आरक्षण दे रहे हैं और पश्चिम बंगाल भी ऐसा करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने बी आर अंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान के मूल्यों के प्रति भाजपा के नेतृत्व वाले राजग की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा, '' 'संविधान बचाओ' इन दलों का महज दिखावा है, क्योंकि इनका असली चेहरा 'शरिया लाओ' है। अगर वे सत्ता में आए, तो संविधान की प्रस्तावना में 'नमाजवाद' जोड़ देंगे। वे संविधान को शरिया स्क्रिप्ट में बदलना चाहते हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे।''

सिक्किम विधानसभा ने लोकायुक्त (संशोधन) विधेयक पारित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। सिक्किम विधानसभा ने 'सिक्किम लोकायुक्त (संशोधन) विधेयक, 2025' पारित कर दिया। एक दिवसीय सत्र के दौरान 'स्कॉलर्स यूनिवर्सिटी ऑफ स्किल्स एंड इनोवेशन, सिक्किम विधेयक, 2025' को भी सदन के पटल पर पेश किया गया।

विधि मंत्री राजू बसनेत ने विधानसभा अध्यक्ष एम. एन. शेरपा की अनुमति से सदन में संशोधन विधेयक पेश किया, जिसमें लोकायुक्त के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों के कार्यकाल के विस्तार के लिए सिक्किम लोकायुक्त अधिनियम, 2014 की धारा पांच में संशोधन का प्रस्ताव किया गया है। 'सिक्किम लोकायुक्त अधिनियम, 2014' में 2018 में संशोधन किया था, जिसमें लोकायुक्त के अध्यक्ष और सदस्यों के कार्यकाल के विस्तार के संबंध में धारा पांच को शामिल किया गया था, लेकिन कार्यकाल विस्तार के उक्त प्रावधान को सिक्किम लोकायुक्त (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा हटा दिया गया। विधि मंत्री ने सिक्किम लोकायुक्त (संशोधन), विधेयक 2025 के उद्देश्यों पर विस्तार से बताते हुए कहा कि निरंतरता सुनिश्चित करने और अध्यक्ष तथा सदस्यों को लंबित मामलों से निपटने के वास्ते पर्याप्त समय देने के लिए राज्य सरकार सिक्किम लोकायुक्त अधिनियम, 2014 की धारा पांच में संशोधन करना उचित समझती है, ताकि अध्यक्ष व लोकायुक्त के सदस्यों के कार्यकाल के विस्तार का प्रावधान जोड़ा जा सके।

राजा रघुवंशी की हत्या के बाद मेघालय आने वाले पर्यटकों को गाइड रखना अनिवार्य

शिलांग/भाषा। मेघालय के अधिकारियों ने पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर पूर्वी खासी पवर्तीय जिले में बाहरी इलाकों का अवलोकन करने के लिए गाइड रखना अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह आदेश इंदौर के व्यापारी राजा रघुवंशी की हत्या के एक महीने बाद आया है, जिसकी योजना उनकी पत्नी ने राज्य के सोहरा क्षेत्र में अपने हनीमून के दौरान बनाई थी। पूर्वी खासी पवर्तीय जिले की उपायुक्त रोसेटा एम कुरबाह ने एक आदेश में कहा, ''सुरक्षा कारणों को देखते हुए, अब सभी पर्यटकों के लिए क्षेत्र में पर्वतारोहण (और बाहरी गतिविधियों) के दौरान पंजीकृत गाइड की सेवाएं लेना अनिवार्य है।'' उन्होंने कहा कि अनिवार्य गाइड सेवाएं न केवल आगंतुकों के लिए बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी, बल्कि इससे अलग-थलग क्षेत्रों में खो जाने, चोट लगने या आपराधिक गतिविधियों का शिकार होने जैसी घटनाओं को रोकने में भी मदद मिलेगी।

भाजपा शासित राज्यों में

बांग्ला भाषी प्रवासियों को 'उत्पीड़न' का सामना करना पड़ रहा : टीएमसी सांसद

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद समीरुल इस्लाम ने सोमवार को आरोप लगाया कि बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों को भाजपा के शासन वाले राज्यों में 'उत्पीड़न' का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें बांग्लादेशी करार दिया जा रहा है। इस्लाम ने पोस्ट में कहा, ''इन प्रवासी श्रमिकों को बिना किसी पुलिस रिकॉर्ड के हिरासत में लिया जा रहा है। अधिकारी उनकी नागरिकता सत्यापित करने के लिए राज्य सरकार से संपर्क भी नहीं कर रहे हैं। तो फिर मोदी और शाह का मकसद क्या है?'' उन्होंने लिखा, ''क्या वे सभी भारतीय कानूनों को दरकिनार करते हुए बंगाल को अवैध तरीके से दंडित करने का इरादा रखते हैं, सिर्फ इसलिए कि वे राज्य में चुनाव जीतने में नाकाम रहे?'' इस्लाम ने सवाल किया कि भारतीय नागरिकों के साथ इस तरह का व्यवहार कैसे किया जा सकता है। भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों का उत्पीड़न लगातार जारी है। वैध दस्तावेज होने के बावजूद बंगाल के कई गरीब श्रमिकों को गलत तरीके से बांग्लादेशी बताया जा रहा है।

ओडिशा में सुरक्षा बलों ने दो माओवादियों को मार गिराया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने सोमवार को कंधमाल जिले में दो माओवादियों को मार गिराया और उनके ठिकाने से हथियार और गोला-बारूद जब्त किया। मारे गए माओवादियों की पहचान मनकू और चंदन के रूप में हुई है। मनकू प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) में एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) था, जबकि चंदन संगठन का सदस्य था। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सुरक्षाकर्मियों ने दो शव बरामद करने के अलावा मौके से एक राइफल भी जब्त की है। रिवॉल्वर, कारतूस, वॉकी-टॉकी सेट, बैटरी और अन्य सामान भी जब्त किया गया है। बालीगुडा थाना क्षेत्र में एक संरक्षित वन के पास कुछ माओवादियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के आधार पर जिला स्वैच्छिक बल ने अभियान शुरू किया।

हमने अखिलेश के लिए 'नो एंट्री' का बोर्ड लगाया है : राजभर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जौनपुर/भाषा। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सोमवार को कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव सत्ता में लौटने के लिए बेताब हैं लेकिन उन्होंने और अन्य क्षेत्रीय दलों ने पहले ही उनके लिए 'नो एंट्री' का बोर्ड लगा दिया है।

जौनपुर जिले में तीन अलग-अलग स्थानों पर आयोजित पार्टी कार्यकर्ता बैठकों में भाग लेने पहुंचे राजभर ने सपा प्रमुख पर निशाना साधते हुए कहा, अखिलेश सत्ता में आने के लिए बेताब हैं लेकिन मैंने, संजय निषाद (निषाद पार्टी), अनुप्रिया पटेल (अपना दल-एस) और जयंत चौधरी (रालोद) ने उनके लिए 'नो एंट्री' का बोर्ड लगा दिया है। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद), अपना दल (एस), निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) और सुभासपा उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार का हिस्सा हैं। राजभर ने जौनपुर में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि बूथ स्तर तक पार्टी की पकड़ मजबूत करनी है, ताकि आगामी चुनावों में सुभासपा निर्णायक भूमिका निभा सके। राजभर ने कहा, सपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश भर में कुल 800 दंगे हुए थे। वहीं, भाजपा के शासनकाल में पिछले आठ वर्षों में एक भी दंगा नहीं हुआ। यह फर्क लोगों को समझना होगा। गृहमंत्री अमित शाह द्वारा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को 'मित्र' कहे जाने को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे सवाल के जवाब में राजभर ने कहा, भाजपा में सब ठीक है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में अरुणाचल प्रदेश 'बेहतर प्रदर्शन' करने वाला राज्य बना : खांडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा है कि राज्य ने माध्यमिक स्तर पर 'बीच में पढ़ाई छोड़ देने की दर' घटाकर 11.7 प्रतिशत तक लाने और प्राथमिक स्तर पर 100 प्रतिशत समायोजित नामांकन प्राप्त कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

खांडू ने अपनी सरकार के पेमा 3.0: सुधार और विकास का वर्ष अभियान के तहत शिक्षा क्षेत्र की प्रमुख उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि राज्य में विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात अब 11:1 हो गया है, जो राष्ट्रीय औसत 24:1 से कहीं बेहतर है। मुख्यमंत्री ने रविवार को पोस्ट में लिखा, ये उपलब्धियां सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। उन्होंने घोषणा की कि अरुणाचल प्रदेश अब नीति आयोग के 'एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2024' में सतत विकास लक्ष्य चार (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा) के तहत 'आकांक्षी' राज्य से 'प्रदर्शन' करने वाले राज्य की श्रेणी में आ गया है। नीति आयोग द्वारा विकसित 'एसडीजी इंडिया इंडेक्स' देश और राज्यों में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्रगति को मापने का मुख्य पैमाना है।

ओडिशा में बालासोर और मयूरभंज जिलों में बाढ़ का पानी घुसने के बाद लोगों को निकाला गया

भुवनेश्वर/बालासोर/बारीपदा/भाषा। उत्तरी ओडिशा में प्रमुख नदियों के उफान पर होने के कारण राज्य सरकार ने निचले इलाकों से लोगों को निकालना शुरू कर दिया है तथा बालासोर और मयूरभंज जिलों में बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। राज्य सरकार ने दोनों जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है क्योंकि सुवर्णरेखा, बुधबलंग, जलाका और सोनो जैसी नदियों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सोमवार को दोपहर में राजघाट पर सुवर्णरेखा नदी का जलस्तर 11.53 मीटर तक पहुंच गया, जो खतरे के निशान 10.36 मीटर से काफी ऊपर है। बालासोर के कम से कम चार प्रखंडों बलियापाल, भोगराई, जलेश्वर और बस्ता के प्रभावित होने की आशंका है। अधिकारियों के अनुसार, बुधबलंग नदी के कारण बालासोर नगरपालिका और सदर क्षेत्रों में बाढ़ आने का खतरा है, जबकि जलाका नदी के पानी के कारण बस्ता और बालासोर सदर क्षेत्रों के प्रभावित होने की आशंका है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के बाद संवाददाताओं को बताया, बाढ़ के पानी ने बालासोर और मयूरभंज के कई हिस्सों को जलमग्न कर दिया है।

बिहार की राजनीति में पसमांदा मुसलमानों की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी आने वाले समय में राज्य की राजनीति में 'पसमांदा मुसलमानों' की भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

पसमांदा मुसलमानों को राज्य की राजनीति में शामिल करने की घोषणा इस साल के अंत में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले की गई। पसमांदा मुसलमान बिहार की कुल मुस्लिम आबादी में 70 प्रतिशत से अधिक हैं। पसमांदा में पिछड़े, दलित और आदिवासी मुसलमान शामिल हैं। जायसवाल ने समुदाय के नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''बिहार में हमेशा मुसलमानों के नाम पर राजनीति की जाती रही है लेकिन पसमांदा मुसलमानों के उत्थान के लिए कभी कोई वास्तविक प्रयास नहीं किया गया। भाजपा आने वाले समय में राज्य की राजनीति में पसमांदा मुसलमानों की भागीदारी सुनिश्चित करेगी।'' जायसवाल ने कहा कि भाजपा की अनूठी विशेषता सभी धर्मों, समुदायों और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की उसकी प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा, ''पार्टी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के नारे के साथ काम करती है।'' किसी राजनीतिक दल का नाम लिए बिना जायसवाल ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मुसलमानों के नाम पर लंबे समय से राजनीति होती रही है, लेकिन पसमांदा मुसलमानों के उत्थान के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया।

चुनौतियों का सामना करने के लिए तेंदुलकर जैसी 'सुपरपावर' चाहते हैं नीरज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह चुनौतियों का सामना ठंडे दिमाग से करने के लिये महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर जैसी 'सुपरपावर' पाना चाहते हैं ।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्ष के चोपड़ा ने यह भी कहा कि ह धीरे धीरे प्रवाह की अवधारणा समझ रहे हैं जब उनके दिग्गज कोच जान जेलेंजी ने उन्हें भाला फेंकने से पहले 18 बरस के युवक की तरह किसी तनाव के बिना दौड़ने की सलाह दी । उन्होंने कहा कि अब तक मैदान से भीतर और बाहर उन्हें सर्वश्रेष्ठ सलाह चेक कोच जेलेंजी से मिली है जिनके नाम 98 . 48 मीटर का भालाफेंक का विश्व रिकॉर्ड है ।

चोपड़ा ने 'स्टार स्पोर्टर्स' और 'जियो हॉटस्टार' से कहा ,'' जब भी मैं थ्रो फेंकता हूं तो मैं काफी ऊर्जावान रहता है लेकिन कोच ने मुझसे कहा कि मुझे प्रवाह के साथ दौड़ना है । मुझे 18 वर्ष के लड़के की

तरह बिना किसी तनाव के दौड़ना है । मैं धीरे धीरे प्रवाह की अवधारणा समझ रहा हूं ।'' उन्होंने कहा ,'' किसी भी खेल में प्रवाह महत्वपूर्ण है । मसलन रोजर फेडरर इतनी गरिमा और लय के साथ खेलते हैं कि पता ही नहीं चलता कि वह इतना प्रयास कर रहे हैं । मैं अपने अभ्यास में वही उतारना चाहता हूं ।''

यह पूछने पर कि वह किस क्रिकेटर की सुपरपावर भालाफेंक में उतारना चाहेंगे , चोपड़ा ने कहा ,''सचिन तेंदुलकर । उन्होंने इतने साल तक इतने शानदार तरीके से देश का प्रतिनिधित्व किया । इतने महान गेंदबाजों की चुनौतियों का सामना करके भी शानदार प्रदर्शन किया ।''

उन्होंने कहा ,'' मैं वही सुपरपावर लेना चाहूंगा और वैसे ही खेलना चाहूंगा । इससे मुझे शांत रहकर चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी ।''

भारत के गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी चिंता का विषय : चैपल

लंदन/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज ग्रेग चैपल का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को गेंदबाजी आक्रमण में विविधता के अभाव का खामियाजा भुगतना पड़ा । उन्होंने कुलदीप यादव को शेन वॉर्न के बाद सर्वश्रेष्ठ कलाई का स्पिनर करार देते हुए उन्हें और अर्शदीप सिंह को टीम में शामिल करने की सलाह दी । भारत को पांच मैचों की शृंखला के पहले मैच में इंग्लैंड ने पांच विकेट से हराया । भारतीय टीम ने पहले टेस्ट में आठ कैच टपकाये ।

चैपल ने अपने कॉलम में लिखा ,'' हेडिंग्ले में फील्डिंग बहुत निराशाजनक थी लेकिन हार का यह अहम कारण नहीं था । भारत ने अपनी परेशानियां खुद खड़ी की थी । सबसे बड़ी गलती तो वह नो बॉल थी जिससे दूसरी पारी की शुरूआत में ही हैरी ब्रूक को जीवनदान मिला ।'' ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत के सामने समस्या यह भी थी कि उसके दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर लगभग एक से ही थे । उन्होंने कहा ,''भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में विविधता का अभाव था । जसप्रीत बुमराह को छोड़कर बाकी तेज गेंदबाज एक जैसे ही थे । गेंदबाजी में बदलाव के तुरंत बाद विकेट गिरने का कारण यह होता है कि बल्लेबाज को ढलने में समय लगता है । लेकिन भारतीय टीम के पास यह विकल्प नहीं था ।''

सुविचार

राधा के प्रेम ने कृष्ण को वो सुकून दिया, जिसे वो दुनिया की किसी और चीज़ में नहीं पा सकते थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाक के बेबुनियाद आरोप

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत में वजीरिस्तान के खड्डी गांव में हुए आत्मघाती हमले के बाद इस पड़ोसी देश द्वारा भारत पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। उक्त धमाके से रावलपिंडी को बहुत पीड़ा हुई है, क्योंकि उसके एक दर्जन से ज्यादा फौजी मारे गए हैं। अब जीएचक्यू में बैठे जनरलों को एक बार विचार करना चाहिए कि आतंकवाद की यह आग लगाई किसने थी? उसकी लपटों से खुद के फौजी झुलसने लगे तो बहुत तकलीफ हो रही है! पाकिस्तान ने आतंकवाद को लेकर जो खतरनाक प्रयोग शुरू किया था, अब वह खुद उसका खामियाजा भुगत रहा है। ऐसे में भारत पर आरोप लगाना बिल्कुल गलत है। याद करें, भारतीय संसद पर हमला, 26/11 हमला, पठानकोट हमला, उरी हमला, पुलवामा हमला और पहलगाम हमला – इन सबमें पाकिस्तान का हाथ था। भारत बार-बार कह चुका है कि एक दिन आतंकवाद पाकिस्तान की ओर पलटकर आएगा। हाल के वर्षों में केपीके में हुए धमाकों पर ही नजर डालें तो इस निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं कि आतंकवाद ने पाकिस्तान को निगलना शुरू कर दिया है। आतंकवादियों ने वजीरिस्तान के गांव में हमला करने के लिए जो तरीका अपनाया, वह 14 फरवरी, 2019 को किए गए पुलवामा हमले से काफी मिलता-जुलता है। उस घटना के बाद पाकिस्तानी मीडिया ने हमलावर की शान में कसीदे पढ़े थे, आतंकवादियों का गुणगान किया था। क्या वह खड्डी धमाके में शामिल रहे आतंकवादियों की तारीफ करने का हौसला दिखाएगा? 'जो भारत को नुकसान पहुंचाए, वह अच्छा आतंकवादी है; जो पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाए, वह बुरा आतंकवादी है!' पाक को इसी सोच ने यहां तक पहुंचाया है।

इस घटना के बाद रावलपिंडी को यह समझ लेना चाहिए कि आतंकवादी किसी के सगे नहीं होते। हिलेरी क्लिंटन ने एक बार पाकिस्तान को यह कहते हुए चेतावनी दी थी कि 'आप अपने घर के पिछवाड़े में सांप पाल कर ऐसी उम्मीद नहीं कर सकते कि वे सिर्फ आपके पड़ोसी को डसेंगे।' जब अगस्त 2021 में तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा किया था, तब सबसे ज्यादा खुशियां पाकिस्तान में मनाई जा रही थीं। उसके तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा था कि 'अफगानिस्तान ने गुलामी की जंजीरें तोड़ दीं।' पाकिस्तान को भ्रम था कि तालिबान अफगानिस्तान में उसके प्रभाव को बढ़ाएगा और भारत के खिलाफ उसका साथ देगा, क्योंकि उसके लड़ाकों को पनाह, प्रशिक्षण, हथियार आदि इस्लामाबाद ने दिए थे। हालांकि हुआ उसका ठीक उल्टा! आज टीटीपी जैसे संगठन पाकिस्तान के लिए सिरदर्द बन गए हैं। इन्होंने पिछले चार वर्षों में केपीके और बलोचिस्तान में बड़े हमले किए हैं। ये मुख्यत: सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं। पाकिस्तान खड्डी धमाके के लिए भारत पर आरोप लगा रहा है, लेकिन उसके हुक्मरान यह क्यों भूल रहे हैं कि हमले की जिम्मेदारी हाफिज गुल बहादुर समूह से जुड़े आतंकी संगठन उसुद अल-हरब ने ली है, जो टीटीपी का हिस्सा है? जब पाकिस्तानी फौज पूर्व में इन संगठनों को प्रशिक्षण दे रही थी, तब यह ख़याल क्यों नहीं आया कि एक दिन ये लोग हम पर भी धावा बोल सकते हैं? अब तो इन संगठनों की कई शाखाएं खुल चुकी हैं। वे अफगानिस्तान की तर्ज पर पाकिस्तान में तालिबानी शासन लाना चाहती हैं। इसकी राह में सबसे बड़ी रुकावट पाकिस्तानी फौज है, इसलिए उसके जवानों और अधिकारियों पर हमले जारी हैं। खड्डी हमले के जरिए इसी सिलसिले को आगे बढ़ाया गया है। अब पाकिस्तान को उन 'गतिविधियों' का आनंद लेने के लिए तैयार रहना चाहिए, जिनकी शुरुआत उसने दूसरों को परेशान करने के लिए की थी।

ट्वीटर टॉक

तेलंगाना में एक केमिकल फैक्ट्री के रिएक्टर में विस्फोट के चलते कई श्रमिकों की मृत्यु और घायल होना अति दु:खदायी है। ईश्वर मृतकों की आत्मा को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूँ।

-ओम बिरला

मोदी सरकार की पहचान... बिना भेदभाव सबका विकास! चाहे शिक्षा का अवसर हो, चाहे आर्थिक सशक्तिकरण या सामुदायिक बुनियादी ढांचे की मजबूती की बात हो... हर क्षेत्र में अल्पसंख्यक समुदाय के उत्थान के लिए मोदी सरकार ने हर संभव प्रयास किया है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

जन सुलभ व जनसेवा को समर्पित देश व प्रदेश के समस्त जनप्रतिनिधियों, देवतुल्य जनमानस को अंतरराष्ट्रीय संसदीय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं यह अवसर जनप्रतिनिधियों को उनके जनसरोकारों के प्रति संकल्पबद्ध करता है।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

संतोष और अहंकार की खेती

प्रख्यात वैष्णव संत-कवि कुंभनदास अपनी संतोषवृत्ति और सरल स्वभाव के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध थे। एक बार राजा मानसिंह उनके दर्शन करना चाहते थे, परंतु उन्होंने कवि से पहचान छिपाने के लिए भेष बदल लिया। उस समय कुंभनदास तिलक लगाने के लिए आईना खोज रहे थे। उन्हें बताया गया कि उनका आईना कल बिल्ली से टूट गया। कुंभनदास ने शांत स्वर में कहा, 'कोई बात नहीं बेटी (बिल्ली) है, किसी कारणवश ऐसा हो गया।' फिर वे एक टूटे हुए मटके के पात्र में भरे पानी में चेहरा देखकर तिलक लगाने लगे। यह देखकर राजा विस्मित रह गए। अगले दिन राजा ने उन्हें स्वर्ण मुद्राएं भेंट करनी चाहीं, पर कुंभनदास ने लेने से इनकार कर कहा, 'महाराज, मेरा जीविकोपार्जन मेरी खेती से हो जाता है। कृपया करके इसे न बढ़ाएं, वरना मेरे जीवन में दिखावे और अहंकार की खेती हो जाएगी।' राजा मानसिंह, उनकी संतोषवृत्ति और विनम्रता देखकर अभिभूत हो गए और उन्हें साष्टांग प्रणाम किया।

सामयिक

डॉक्टर्स अपने सुख-दुख को त्याग कर मरीजों के लिए जीते हैं, समाज को रोगमुक्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, कोविड संक्रमण के दौरान डॉक्टर्स ही थे, जो एक योद्धा की तरह हर मुश्किल घड़ी में अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों के साथ घंटों लगातार ड्यूटी कर रहे थे। कई डॉक्टर्स ने अपनी जान भी गंवा दी। इन डॉक्टर्स के बलिदान को भी आज के दिन याद किया जाता है। डॉक्टरों की सेवाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे बीमारियों का निदान, उपचार और रोकथाम करते हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित होता है।

रोगी के लिए स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं डॉक्टर

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

स्वस्थ जीवन हर किसी की सर्वोच्च जीवन प्राथमिकता होता है। कहा भी गया है कि, 'सेहत सबसे बड़ी पूंजी' है। स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सही तरह से एन्जॉय करते हुए उसे सफल एवं सार्थक बना सकता है और इसमें डॉक्टर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। छोटी-बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। शायद इसलिए ही इन्हें भगवान का दर्जा मिला हुआ है। राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस प्रसिद्ध डॉक्टर और बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचंद्र राय के सम्मान में मनाया जाता है। वैसे तो दुनियाभर के अलग-अलग देशों में डॉक्टर डे को अलग-अलग दिन मनाया जाता है, लेकिन भारत में इस दिन को 1 जुलाई को इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 1 जुलाई 1882 में भारत के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ. राय का जन्म हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई को ही साल 1962 में हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मान देने के मकसद से डॉक्टर्स डे मनाने की शुरुआत की गई थी। यह दिन उन डॉक्टरों को समर्पित होता है जो हमारी सेहत का ध्यान रखते हुए हमें नया जीवनदान देते हैं। साथ ही हमें बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। हल्का सा भी हम अगर बीमार पड़ते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर के पास भागते हैं।

वर्ष 2025 की थीम है 'मास्क के पीछे : देखभाल करने वालों की देखभाल' उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है। बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश में डॉक्टरों द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। एक डॉक्टर मरीज को स्वस्थ करते हुए आशा नहीं खोता-वह हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना करता है, चाहे परेशानी एवं बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न हो।

वास्तव में डॉक्टर्स की निःस्वार्थता एवं सेवाभावना उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाती है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन बनते हैं और उनका बलिदान-योगदान उन्हें मानवीय सेवा का योद्धा बनाता है। डॉक्टर्स डे डॉक्टरों द्वारा समुदायों के उपचार, सुरक्षा और समर्थन में अक्सर बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करता है। डॉक्टर्स न केवल महामारी या संकट के दौरान बल्कि हर दिन, गांवों, कस्बों और शहरों में मेडिकल प्रोफेशनल्स द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में कार्य करता है। सामान्य चिकित्सकों से लेकर विशेषज्ञों और सर्जनों तक, यह दिन उन सभी का सम्मान करता है जिन्होंने उपचार और सेवा करने की शपथ ली है। इस दिवस पर मरीज और समुदाय भी कृतज्ञता और आशा की कहानियां साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। जैसाकि भारत नई सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है, राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस एक उत्सव और एक ऐसी प्रणाली बनाने के लिए कार्रवाई का आह्वान है, जहां डॉक्टरों को न केवल देखभाल करने वाले के रूप में सम्मानित किया जाता है, बल्कि बदले में उनकी सुरक्षा, सम्मान और देखभाल भी की जाती है। डॉक्टर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं जो सिर्फ बीमारी का निदान और उपचार करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उनके काम में चिकित्सा ज्ञान, चिकित्सा नवाचार, संचार और करुणा का संयोजन शामिल है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सहायता मिल सके, नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है।

डॉक्टरों की भूमिकाएं उनके काम करने के स्थान के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अस्पतालों में, वे विशेष उपचार या आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। क्लीनिकों और ग्रामीण केंद्रों में, वे अक्सर सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि चिकित्सा सहायता दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों तक पहुँचे। इन विविध जिम्मेदारियों के माध्यम से, डॉक्टर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, तथा हर दिन सकारात्मक बदलाव लाते हैं। भारत चिकित्सा नवाचार और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता है। भारत देश केवल एक विशाल आबादी वाला देश नहीं है, बल्कि इसने चिकित्सा-क्रांति को घटित करते हुए दुनिया में चिकित्सा-सेवा के नये दीप प्रज्वलित किए हैं। डॉक्टर बनना आसान नहीं है, फिर भी आप इसे बड़ी सहजता से और हमेशा मुस्कुराते हुए करते हैं। हर कोई डॉक्टर नहीं बन सकता क्योंकि हर किसी के पास मरीजों को निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए ज्ञान, कौशल और धैर्य नहीं होता।

हर बीमारी के लिये एक एक्सपर्ट होता है। अगर आपको सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार या फिर मौसमी बीमारी ने जकड़ लिया है तो आपको फिजिशिनय या जनरल फिजिशियन से मिलना चाहिए। वहीं आंख, कान, नाक, टॉन्सिल, सिर या गर्दन की समस्या के लिये ईएनटी स्पेशलिस्ट होते हैं। ये साइनस का भी इलाज करते हैं। अगर आपको दिल से जुड़ी कोई दिक्कत है तो कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना बेहतर होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने पर आप इन डॉक्टर के पास जाएं। इसके अलावा अगर आप तनाव में रहते हैं तो साइकोलॉजिस्ट से मिलना होता है। कैंसर की बीमारी के लिए आपको ओन्कोनोजिस्ट के पास जाना चाहिए। अगर आपको आंखों में कोई समस्या है, जलन, खुजली, रेडनेस या इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं तो इसके लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, या फिर ब्रेस्ट, यूटीआई, पीरयड्स, की समस्या हो रही है तो गायनोकोलॉजिस्ट की मदद लें। दिमागी बीमारी के लिये न्यूरोलॉजिस्ट के पास जाने की सलाह दी जाती है। कई बार सही डॉक्टर से समय पर इलाज न मिलने की वजह से भी बीमारी और बढ़ जाती है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं मानवीयता जैसे सभी पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने एवं उनको स्वस्थ बनाने के लिए अनुभवी एवं विशेषज्ञ डाक्टरों की सेवाएं वरदान है। डॉक्टर्स भगवान का रूप होते है, वे ही इंसान के जन्म के पहले साक्षी बनते हैं और उनमें करुणा एवं स्वस्थता का बीज बोते है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ हंसते हुए दे देते हैं, चाहे उनका अपना पारिवारिक सुख हो, करियर हो, जीवन की खुशियां हो या सपने हों, सबकुछ झोंक देते है।

डॉक्टर्स अपने सुख-दुख को त्याग कर मरीजों के लिए जीते हैं, समाज को रोगमुक्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, कोविड संक्रमण के दौरान डॉक्टर्स ही थे, जो एक योद्धा की तरह हर मुश्किल घड़ी में अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों के साथ घंटों लगातार ड्यूटी कर रहे थे। कई डॉक्टर्स ने अपनी जान भी गंवा दी। इन डॉक्टर्स के बलिदान को भी आज के दिन याद किया जाता है। डॉक्टरों की सेवाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे बीमारियों का निदान, उपचार और रोकथाम करते हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित होता है। वे आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक सहायता प्रदान करते हैं और बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाते हैं। डॉक्टर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के बारे में शिक्षित करते हैं, जिससे वे अपनी बीमारियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और उनका प्रबंधन कर सकते हैं।

डॉक्टर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सहायता और उपचार प्रदान करते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य अभियानों और कार्यक्रमों में भाग लेकर समुदायों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं और समाज के समग्र कल्याण में योगदान करते हैं। आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये डॉक्टर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं। इसलिए कि वे सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करते हैं, ऐसी मानवीय सेवाएं देने वाले इन डॉक्टर्स रूपी अद्भूत फरिश्तों के सम्मान, कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही डॉक्टर्स की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी।

नजरिया

प्रकृति का रौद्र रूप कहीं बाढ़, कहीं भूस्खलन

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 90094 15415

भारत में वर्षाकाल मे भीषण प्राकृतिक वर्षा के फलस्वरुप बाढ़ भूस्खलन और नदियों में उफान आने से उत्तरांचल, उत्तराखंड, असम, मेघालय, दिल्ली और पंजाब भीषण त्रासदी झेल रहे हैं और बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु भी हो गई है। देश के साथ एकसाथ विश्व में कई देशों में अतिवृष्टि से बाढ़ का प्रकोप होता है लैंडस्लाइडिंग भी होती है पर सर्वाधिक मृत्यु भारत में ही होती है। भारत में भूकंप के झटके भी लगते हैं कई बार भूकंप भी आता है और जान माल की हानि होती है। यह ऐसा तो है नहीं कि अति वर्षा कई सालों में एक बार होती हो, वर्षा, बाढ़ तथा लैंडस्लाइडिंग का प्रकोप हर वर्ष अखबारों में हम पढ़ते हैं और लोगों की मृत्यु होती है तो ऐसे में केंद्र तथा राज्य सरकारों को आपस में सामंजस्य कर इस त्रासदी तथा विपदा का पहले से प्रबंध करने की आवश्यकता होनी चाहिए जिससे आमजन को जान माल का कम से कम नुकसान हो सके ।आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से बाहर तथा प्राकृतिक व मानवीय कारकों द्वारा मूर्त रूप दी जाती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर, जान और माल की बड़ी हानि होती है ।आपदा की गहनता, विशालता एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति पर चोट पहुंचती है। तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है।

आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर हमें बाढ़, अतिवृष्टि, लैंडस्लाइडिंग तथा भूकंप से पूरी क्षमता कथा विशेषताओं के साथ सामना करना चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है। एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है।

भारत के भू भाग का लगभग 58 प्रतिशत क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68% भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12% है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र मैं भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना सदैव बनी रहती है।अब भारत में विश्व के साथ-साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लड़ रहा है, यह कोविड-19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया है। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूर्वानुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्ट्रीय अन्य योजनाओं के साथ-साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी।

भारत को आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग को चुस्त-दुरुस्त तथा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त रखने की आवश्यकता है। तूफानी चक्रवात, सुनामी,भूस्खलन, भूकंप, सूखा बाढ़ के अलावा अब कोविड-19 यानी करोना संक्रमण जैसी खतरनाक बीमारियां भारत देश को अपना निशाना बना कर रखा है ।ऐसे में भारत में मध्यम दर्जे का या निम्न दर्जे का आपदा प्रबंधन सिस्टम किसी भी काम का ना रहेगा, एवं इससे भारी जानमाल की हानि होने की संभावना सदैव बनी रहेगी। भारत में आपदा प्रबंधन के लिए 1990 में कृषि मंत्रालय के अंतर्गत डिजास्टर मैनेजमेंट सेल स्थापित किया गया था। लेकिन 1993 में लातूर के भूकंप तथा 1998 में मालपा के भूस्खलन तथा 1999 में ओडिशा में सुपर साइक्लोन तथा 2001 में भुज के भूकंप के बाद देश में एक मजबूत आपदा प्रबंधन की व्यवस्था की जरूरत को महसूस करते हुए जे,सी, पंत जी की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट में एक सुव्यवस्थित तथा व्यापक सिस्टम तथा विभाग की स्थापना की आवश्यकता प्रतिवेदित की गई थी। 2002 में आपदा को देश की आंतरिक सुरक्षा का मामला मानते हुए आपदा को गृह मंत्रालय के अंतर्गत समाविष्ट किया गया। आपदा प्रबंधन के इतिहास में 2005 में एक बड़ा परिवर्तन लाया गया भारत सरकार ने आपदा को अपनी कार्ययोजना के एक चक्रीय क्रम के रूप में प्रबंधित किया, जिसमें आपदा आ जाने के बाद इसके बचाव, नुकसान की भरपाई, निदान तथा आपदा आने के पूर्व की तैयारी तथा योजना को मूर्त रूप देने का एक सुनियोजित तरीका तैयार किया गया था। आपदा से खतरे का स्तर सभी इंसानों के लिए सदैव एक जैसा होता है। किंतु समाज के विभिन्न वर्गों में खतरे से निपटने तथा जूझने की क्षमता अलग-अलग होती है। निम्न वर्ग का तबका अन्य लोगों की अपेक्षा आपदा से ज्यादा प्रभावित होता है। अतः सरकार को गरीब तथा वंचित वर्ग के तबके के लिए आपदा प्रबंधन में विशेष प्रावधान दिया जाना चाहिए। आपदाओं के प्रबंधन एवं अनुसंधान व त्वरित कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान तथा राष्ट्रीय आपदा कार्रवाई बल का गठन किया गया है। यह आपदा राशि कार्रवाई बल पर किसी खतरनाक आपदा की स्थिति में रासायनिक, जैविक, परमाणु विकिरण तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदा के संबंध में विशिष्ट कार्यवाही के निर्वहन का उत्तरदायित्व है। ईस संस्था ने बंगाल तथा उड़ीसा के तटीय क्षेत्र में आई सुनामी में काफी बड़ी संख्या में लोगों की जान भी बचाई है। चक्रवाती तूफान से निपटने में हमारे समुचित प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया है कि हाल के वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। परंतु पिछले 1 वर्षों से करोना संक्रमण से हुई बड़ी संख्या में मृत्यु ने देश को हिला कर रख दिया है।अगर आपदा प्रबंधन सिस्टम को लगातार मॉनिटर किया जाता एवं उस सिस्टम के अधिकारी जिम्मेदार व्यक्ति सचेत एवं सजग रहते, तो द्वितीय लहर में इस तरह हड़कंप संक्रमण एवं मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता। भारत को आपदा प्रबंधन के सिस्टम पर फिर से आंकलन कर एक नई व्यूह रचना बनाकर गरीब तबके निचले व्यक्ति तथा समग्र रूप से मानव जाति की सुरक्षा के लिए नए-नए उपाय करने चाहिए। क्योंकि आपदा कभी बताकर नहीं आती।इसी तरह कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका को ध्यान में रखते हुए हमें इसकी तैयारी पूर्व से ही कर लेना चाहिए अन्यथा हाथ मलने के अलावा अपने पास कुछ ना रह जाएगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

आतंकी हमले के बावजूद अमरनाथ तीर्थयात्रियों ने पहलगाम मार्ग चुना, कहा : हम आतंकवादियों से डरते नहीं

जम्मू/भाषा

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भयावह आतंकवादी हमले का असर इस वर्ष अमरनाथ यात्रा पर पड़ने की आशंकाओं को दरकिनार करते हुए देश के विभिन्न भागों से सैकड़ों तीर्थयात्री पहले दिन पंजीकरण केन्द्र पर कतारों में खड़े दिखायी दिए। ग्याहरवीं बार बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जा रहे मुंबई निवासी दिवाकर कदम ने कहा, गोली और बम हमें बाबा बर्फानी के दर्शन करने से नहीं रोक सकते। जम्मू रेलवे स्टेशन के निकट सरस्वती धाम पंजीकरण केंद्र पर पंजीकरण के पहले दिन लोगों की भीड़ देखी गई और वहां उपस्थित कई लोगों ने बढ़ती भीड़ को पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों को करारा जवाब बताया।

आतंकियों ने 22अप्रैल को किए गए हमले में विशेष धर्म के लोगों की पहचान करके पहलगाम में 26 लोगों (जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। बम बम बोले और जय बाबा बर्फानी के नारों के बीच तीर्थयात्री टोकन पाने की प्रतीक्षा करते दिखायी दिए जिनमें से कई ने कहा कि वे 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए पहलगाम मार्ग से अमरनाथ की तीर्थयात्रा कर रहे हैं। कदम ने कहा, हम बहुत उत्साहित हैं। हमारे 26 सदस्यों का समूह बेहद खुश है, और हम अमरनाथ जी के दर्शन करने वाले पहले जत्थे का हिस्सा बनना चाहते हैं। हमें कोई डर नहीं है। उन्होंने कहा, चाहे कुछ भी हो जाए, अमरनाथ यात्रा के लिए देशभर के लोगों का उत्साह कम नहीं हो सकता। हर कोई आएगा और दर्शन करेगा।

दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की 38 दिवसीय तीर्थयात्रा तीन जुलाई को दो मार्गों से शुरू होगी। इसमें अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा बालटाल मार्ग है। प्राधिकारियों ने यात्रा के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। तीर्थयात्रियों का पहला जत्था दो जुलाई को जम्मू स्थित भगवती नगर आधार शिविर से कश्मीर के लिए रवाना होगा।

समूह की एक अन्य सदस्य मुमता देशमुख ने बताया कि वह कल देर रात यहां पहुंचे और मौके पर पंजीकरण के लिए टोकन लेने के लिए सुबह से ही कतार में खड़े थे। उन्होंने कहा, इस बार यह सिर्फ बाबा बर्फानी के दर्शन की तीर्थयात्रा नहीं है, बल्कि पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी अवसर है। उन्होंने कहा, पहलगाम से यात्रा शुरू करके हम आतंकवादियों को संदेश दे रहे हैं कि हम उनसे डरते नहीं हैं।

कदम ने कहा कि यह उनकी 11वीं तीर्थयात्रा है। उन्होंने कहा, हम ऐसे हमलों के आगे न तो रुकेंगे और न ही झुकेंगे। चाहे गोलियां चलें या बम फटें, हम निश्चित रूप से बाबा के दर्शन करेंगे। हम उनसे (आतंकियों) डरते नहीं हैं। हम प्रतिज्ञा करते हैं कि हम भविष्य की हर यात्रा के पहले जत्थे में शामिल होते रहेंगे।

तीर्थयात्रा के लिए 95 लोगों के समूह के साथ आई कोलकाता की सरिता घोष ने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस बार श्रद्धालुओं में उत्साह अधिक है। उन्होंने कहा, इससे साफ पता चलता है कि लोग डर फैलाने की कोशिश करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। मेरा मानना है कि पिछले साल की तुलना में इस बार दोगुनी संख्या में लोग आएंगे और डर परास्त होगा। घोष ने कहा कि सभी ने पहलगाम मार्ग अपनाने का फैसला किया है, खास तौर पर आतंकी हमले के मद्देनजर। उन्होंने कहा, यह उन लोगों के प्रति हमारी श्रद्धांजलि होगी जो वहां मारे गए, यह आतंकवाद के खिलाफ हमारी प्रतिज्ञा होगी।

असम के निरोहुतम कुमार ने कहा कि आतंकवादी हमला उन्हें तीर्थयात्रा करने से नहीं रोक सकता।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को 'वैध संघर्ष' बताया

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को एक 'वैध संघर्ष' बताते हुए कहा कि उनका देश कश्मीर के लोगों के संघर्ष में हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। फील्ड मार्शल मुनीर ने भारत को भविष्य में किसी भी हमले की स्थिति में करारा जवाब देने की चेतावनी भी दी।

मुनीर ने शनिवार को कराची स्थित पाकिस्तान नौसेना अकादमी में पासिंग आउट समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''भारत जिसे आतंकवाद कहता है, वह वास्तव में स्वतंत्रता के लिए एक वैध और कानूनी संघर्ष है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा मान्यता प्राप्त है।'' उन्होंने दावा किया, ''जिन लोगों ने कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं को दबाने और समाधान के बजाय संघर्ष को खत्म करने की कोशिश की, उन्होंने अपने कृत्यों के माध्यम से इस आंदोलन को और अधिक प्रासंगिक बना दिया है।'' मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान हमेशा कश्मीर के लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार के संघर्ष में उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा,''पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के अनुसार कश्मीर मुद्दे के न्यायोचित समाधान का प्रबल समर्थक है।''

अतीत में पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने कश्मीर को पाकिस्तान की ''गले की नस'' बताया था।

भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि केंद्र-शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख ''हमेशा उसके अभिन्न अंग थे, हैं और रहेंगे।'' भारत सरकार के पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद-370 को निरस्त करने, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने और राज्य को दो-केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास बढ़ गई। मुनीर ने दावा किया कि पाकिस्तान ने दो बार भारतीय सैन्य हमले का करारा जवाब देने के बाद खुद को ''विशुद्ध रूप से क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने वाले'' के रूप में साबित कर दिखाया।

वह स्पष्ट रूप से पुलवामा आतंकी हमले के बाद 2019 के बालाकोट हमले और हाल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने दावा किया, ''गंभीर उकसावे के बावजूद पाकिस्तान ने संयम और परिपक्वता के साथ काम किया तथा क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया, जिसके कारण पाकिस्तान ने विशुद्ध रूप से क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने वाले की भूमिका निभाई है।''

दक्षेस की जगह नए क्षेत्रीय समूह की स्थापना पर काम कर रहे पाकिस्तान, चीन

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान और चीन एक नए क्षेत्रीय संगठन की स्थापना के प्रस्ताव पर काम कर रहे हैं, जो लगभग निष्क्रिय पड़े दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) की जगह ले सकता है। सोमवार को एक खबर में यह दावा किया गया। इस घटनाक्रम से अवगत राजनयिक सूत्रों के हवाले से 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने लिखा कि इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच बातचीत अब आगे के चरण में है, क्योंकि दोनों पक्ष इस बात से आश्वस्त हैं कि क्षेत्रीय एकीकरण और संपर्क के लिए एक नया संगठन आवश्यक है।

सूत्रों का हवाला देते हुए अखबार ने कहा कि यह नया संगठन संभावित रूप से क्षेत्रीय संगठन दक्षेस की जगह ले सकता है। दक्षेस में भारत, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। उन्होंने कहा कि चीन के कुनमिंग में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की हाल में हुई त्रिपक्षीय बैठक इन कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा थी। सूत्रों के अनुसार, इसका लक्ष्य अन्य दक्षिण एशियाई देशों को, जो दक्षेस (सार्क) का हिस्सा थे, नए समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना है।

हालांकि, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका, बीजिंग और इस्लामाबाद के बीच किसी भी उभरते गठबंधन के विचार को खारिज कर दिया और कहा कि बैठक 'राजनीतिक' नहीं थी। विदेश मामलों के सलाहकार एम तौहीद हुसैन ने कहा, ''हम कोई गठबंधन नहीं बना रहे हैं।'' सूत्रों के अनुसार, भारत को नए प्रस्तावित मंच में आमंत्रित किया जाएगा, जबकि श्रीलंका, मालदीव और अफगानिस्तान जैसे देश भी इसका हिस्सा हो सकते हैं।

अखबार ने कहा कि नए संगठन का मुख्य उद्देश्य व्यापार और संपर्क बढ़ाकर अधिक क्षेत्रीय जुड़ाव की संभावना तलाशना है।

इसमें कहा गया है कि यदि प्रस्ताव को मूर्त रूप दिया जाता है, तो यह दक्षेस की जगह लेगा, जिसे भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण लंबे समय से निलंबित कर दिया गया है।

साल 2014 में काठमांडू में हुए शिखर सम्मेलन के बाद से दक्षेस का कोई द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन नहीं हुआ है। साल 2016 में दक्षेस का शिखर सम्मेलन इस्लामाबाद में होना था। लेकिन उस साल 18 सितंबर को जम्मू कश्मीर के उरी में भारतीय सेना के शिविर पर आतंकवादी हमले के बाद, भारत ने ''मौजूदा परिस्थितियों'' के कारण शिखर सम्मेलन में भाग लेने में असमर्थता व्यक्त की। बांग्लादेश, भूटान और अफगानिस्तान द्वारा भी इस्लामाबाद बैठक में भाग लेने से इनकार करने के बाद शिखर सम्मेलन रद्द कर दिया गया था।

प्रचार

मुंबई में सोमवार को अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान मुंबई के लोअर ओशिवारा मेट्रो स्टेशन पर पहुंचे।

'हेराफेरी' में हुई परेश रावल की वापसी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता परेश रावल हेराफेरी 3 में काम करते नजर आ सकते हैं। बॉलीवुड की सबसे पसंद की जाने वाली कॉमेडी फिल्मों में से एक 'हेरा फेरी' इन दिनों अपने तीसरे सीक्वल को लेकर सुर्खियों में हैं। हेराफेरी सीरीज में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल अहम भूमिका में नजर आये थे। अक्षय कुमार के साथ अनबन के बाद परेश रावल ने फिल्म हेराफेरी 3 छोड़ने का फैसला किया था, जिससे प्रशंसकों में निराशा थी। ऐसा कहा जा रहा था कि फिल्म की तीसरे सीक्वल में 'राजू और श्याम' (अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी) के साथ 'बाबू भइया' यानी परेश रावल नजर नहीं आएंगे। इन खबरों ने फैंस का दिल भी तोड़ दिया था। बताया जा रहा था कि फिल्म हेराफेरी 3 को लेकर परेश रावल और अक्षय कुमार के बीच कुछ खटपट हो गई थी, जो कानूनी कार्रवाई तक पहुंच गई थी। परेश रावल ने फिल्म हेराफेरी से बाहर होकर सभी को हैरान कर दिया था।

लोगों ने उनसे बाबू भैया के किरदार में वापसी करने की गुजारिश भी की थी। हालांकि, अब चीजें पटरी पर आती नजर आ रही है। कहा जा रहा है कि परेश रावल ने अपना मन बदल लिया है और मेकर्स के साथ सुलह कर ली है। कहा जा रहा है कि परेश रावल ने अक्षय कुमार और प्रोडक्शन हाउस के साथ सभी मुद्दों को सुलझा लिया है। यदि सबकुछ ठीक रहा तो' हेरा फेरी 3 में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल साथ नजर आएंगे। गौरतलब है कि हेरा फेरी वर्ष 2000 में रिलीज हुई थी, जिसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल ने लीड रोल निभाया था।

शेफाली जरीवाला के मौत की वजह 'लो ब्लड प्रेशर', पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की अचानक मौत ने प्रशंसकों के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री को सदमे में डाल दिया है। 'कांटा लगा' फेम शेफाली म्यूजिक वीडियो और 'बिग बॉस 13' के लिए मशहूर थीं। उनकी मौत का कारण लो ब्लड प्रेशर हो सकता है। हालांकि, पुलिस और डॉक्टर पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। अंबोली पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात शेफाली अपने अंधेरी (मुंबई) स्थित घर में अचानक बेहोश हो गई थीं। उनके पति, अभिनेता पराग त्यागी, उन्हें तुरंत बेलेव्यू मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कूपर अस्पताल के डॉक्टरों का प्रारंभिक अनुमान है कि उनकी मृत्यु की वजह लो ब्लड प्रेशर हो सकती है। पुलिस जांच में पता चला कि शुक्रवार को शेफाली के घर पर पूजा थी, जिसके लिए उन्होंने दिनभर व्रत रखा था। दोपहर 3 बजे के बाद उन्होंने फ्रिज में रखा हुआ खाना खाया था। रात करीब 10:30 बजे वह परिवार और कर्मचारियों के सामने अचानक बेहोश हो गईं। पुलिस ने शेफाली के पति, माता-पिता और घरेलू कर्मचारियों सहित 10 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। जांच के दौरान पुलिस को शेफाली के घर से एंटी-एजिंग, स्किन ग्लो और विटामिन की गोलियां मिलीं। उनके परिवार ने बताया कि शेफाली लंबे समय से बिना डॉक्टरी सलाह के दवाइयां ले रही थीं।

पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। अंबोली पुलिस ने इस मामले में आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की है। शेफाली के माता-पिता, जो उसी इमारत (गोल्डन रेज, शास्त्री नगर, अंधेरी) में रहते हैं, पूजा में शामिल हुए थे और बाद में चले गए थे। शनिवार को ओशिवारा श्मशान घाट पर शेफाली का अंतिम संस्कार हुआ, जहां उनके पति पराग बेहद भावुक नजर आए। पोस्टमार्टम प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही रिपोर्ट आने की उम्मीद है। फिल्म इंडस्ट्री के तमाम सितारों ने जरीवाला के निधन पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था।

'मस्ती-4' के लिए तुरंत हामी भरी, कॉमेडी में सही टाइमिंग के लिए लगातार मेहनत जारी : रूही सिंह

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस रूही सिंह अपनी आने वाली फिल्म 'मस्ती 4' में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने हुए इस फिल्म के निर्देशक मिलाप जावेरी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मिलाप जावेरी बेहतर तरीके से जानते हैं कि जनता को क्या पसंद आता है। साथ ही बताया कि वह दर्शकों को हंसाने के लिए कॉमेडी टाइमिंग को लेकर कड़ी मेहनत कर रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा, वह शुरू से ही 'मस्ती' फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। वह 'मस्ती' की खासियत और आम लोगों को क्या पसंद आता है, ये अच्छी तरह समझते हैं। मैं उनके निर्देशन के लिए बहुत उत्साहित हूं। वह दर्शकों को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी पसंद के हिसाब से फिल्म बनाते हैं।

जब मुझे 'मस्ती 4' का ऑफर मिला, तो मैंने उसके लिए तुरंत हामी भर ली। 'मस्ती' एक बड़ी और प्रसिद्ध फिल्म सीरीज है जिसकी अपनी एक पहचान है, और उसका हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हुई। यह फिल्म एक शानदार कलाकारों की टीम, एक ऐसा निर्देशक जो फिल्म और दर्शकों को समझता है, और जिसमें मजाक-मस्ती मुख्य बात है, ये सब मिलकर फिल्म को बहुत मजेदार बनाते हैं। कुल मिलाकर, यह मेरे लिए एक बेहतरीन मौका है। उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है कि मैंने अपने दोस्तों के साथ 'ग्रैंड मस्ती' देखी थी और हम बहुत जोर-जोर से हंसे थे।

कॉमेडी करना मुश्किल होता है। कॉमेडी में सही टाइमिंग पकड़ना उनके लिए कितना मुश्किल है? इस सवाल पर रुही ने कहा, मुझे खुद पर हंसने में कोई डर नहीं लगता। मैं अपनी निजी जिंदगी में मजाकिया और हंसमुख हूं। मैं जानती हूं कि कॉमेडी करना सबसे मुश्किल होता है, इसलिए मैं खुद पर काम कर रही हूं। मैं बहुत सारी कॉमेडी फिल्में देख रही हूं, खासकर राजपाल यादव और परेश रावल की फिल्में। साथ ही, मैं अपने एक्टिंग टीचर के साथ लगातार अभ्यास कर रही हूं ताकि कॉमेडी की सही टाइमिंग समझ सकूं।

लांच

मुंबई में सोमवार को फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अभिनेता अनुपम खेर, शुभांगी दत्त और करण टैकर।

फिल्म 'द पैराडाइज़' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

नेचुरल स्टार नानी और निर्देशक श्रीकांत ओडेला की फिल्म 'द पैराडाइज़' की शूटिंग शुरू हो गयी है। फिल्म 'द पैराडाइज़' की जबसे घोषणा हुई है, तभी से नानी की यह फिल्म जबरदस्त चर्चा में है। 'दसरा' जैसी शानदार फिल्म देने वाले श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह है। अब इस फिल्म को लेकर एक नई और दिलचस्प जानकारी सामने आई है। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। फिल्म 'द पैराडाइज़' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। इस फिल्म का निर्देशन 'दसरा' फेम श्रीकांत ओडेला कर रहे हैं। यह नानी और निर्देशक श्रीकांत ओडेला की दूसरी फिल्म है, जो एक शानदार सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। हैदराबाद में 40 दिन का शेड्यूल जारी है, जिसमें लीड कास्ट के साथ कुछ अहम सीन शूट किए जा रहे हैं। मेकर्स ने शूटिंग सेट से एक शानदार तस्वीर शेयर करते हुए अपने सोशल मीडिया पर लिखा,धगड़ आ गया!

श्रीकांत ओडेला इस फिल्म को बेहद बारीकी से गढ़ रहे हैं। यह फिल्म एसएलवी सिनेमा के बैनर तले सुधाकर चेरुकुरी द्वारा प्रोड्यूस की जा रही और 'रॉकस्टार' अनिरुद्ध रविचंदर संगीत दे रहे हैं। यह फिल्म 26 मार्च 2026 को दुनियाभर में आठ भाषाओं तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बांग्ला, इंग्लिश और स्पेनिश में रिलीज़ की जाएगी।

पंचायत वेब सीरीज को दिल के करीब मानते हैं रघुवीर यादव

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता रघुवीर यादव का कहना है कि सीरीज पंचायत उनके लिए सिर्फ एक वेब सीरीज नहीं है, ये उनके दिल के बहुत करीब है। सीरीज पंचायत ने एक बार फिर अपने नए सीज़न से देशभर के दर्शकों का दिल जीत लिया है। गांव की चुनावी गर्मी में डूबे दर्शकों को सीजन 4 की कहानी ने पूरी तरह से बांध लिया है। ज़मीनी राजनीति को दिलचस्प अंदाज़ में, हास्य और सच्चाई के साथ दिखाने वाला ये सीज़न अब प्राइम वीडियो इंडिया पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रहा है। लेकिन इस बार की कहानी सिर्फ अपनी कहानी या दांव-पेचों की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए खास है क्योंकि फुलेरा की दुनिया पहले से कहीं ज़्यादा ग्रामीण भारत की आत्मा को पेश कर रही है। और फुलेरा गांव की दुनिया में जान फूंकने वाला चेहरा कोई और नहीं, हमारे अपने प्रधान जी हैं,यानी रघुवीर यादव। उनके निभाए इस किरदार को लोग अब घर का हिस्सा मानने लगे हैं। अब जब दर्शक पंचायत सीजन 4 को खूब पसंद कर रहे हैं, तो रघुवीर यादव खुद कहते हैं कि पंचायत उनके लिए सिर्फ एक वेब सीरीज नहीं है, ये उनके दिल के बहुत करीब है।

उन्हें इस बात की बिल्कुल भी हैरानी नहीं कि ये शो हर उम्र और हर कोने के लोगों को इतना पसंद आ रहा है, क्योंकि इसमें गांव की असली जिंदगी झलकती है। रघुवीर यादव ने बताया,ये वाकई कमाल की बात है कि पंचायत ने बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, गांव से

लेकर शहरों और विदेशों तक सभी को छू लिया है। जब मैं एक नाटक के लिए ऑस्ट्रेलिया गया था, तो वहां भी हर उम्र के लोग मुझसे सिर्फ पंचायत की ही बात करने आए। रघुवीर यादव ने बताया,शुरुआत में मैं खुद नहीं समझ पाया कि आखिर पंचायत में ऐसा क्या है जो इसे इतना खास बनाता है। लेकिन फिर एहसास हुआ, यही तो असली हिंदुस्तान है। इसकी सादगी, इसकी सच्चाई, छोटे शहरों की रोज़मर्रा की कहानियां जो इतने दिल से कही जाती हैं। यही पंचायत की सबसे बड़ी ताकत है। इसमें कोई खलनायक नहीं, कोई ज़रूरत से ज़्यादा ड्रामा नहीं।

बस असली लोग हैं, जो अपने ढंग से ईमानदारी से ज़िंदगी जी रहे हैं। और लोगों का इससे जो प्यार है जब रिलीज़ डेट 2 जुलाई से बढ़कर 24 जून हुई, तो हर कोई बेचैन हो गया। सब कह रहे थे, 'थैंक गॉड इंतज़ार थोड़ा कम हुआ, ये कुछ दिन भी बहुत भारी लग रहे थे!' यह शो रघुबीर यादव के लिए सिर्फ एक किरदार या स्क्रिप्ट नहीं है, बल्कि एक निजी अनुभव बन गया है। उन्होंने कहा, जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मेरे मुंह से निकला इसमें एक्टिंग की कोई जगह नहीं है, हमें इन किरदारों के साथ जीना पड़ेगा। ये सिर्फ रोल नहीं हैं, ये असल ज़िंदगी के लोग हैं। इन्हें सच्चाई से निभाने के लिए खुद को पूरी तरह डुबोना ज़रूरी था। लिखावट इतनी सच्ची थी कि पन्नों के बीच छिपे जज़्बात, लिखी बातों से भी ज़्यादा गहरे थे। रघुवीर यादव ने कहा,मैं खुद गांव में पला-बढ़ा हूं, वहीं पढ़ाई की, और सरपंच व पंचायत के ऐसे ही लोगों के बीच जिया हूं। थिएटर के ज़रिए मैंने सालों छोटे-छोटे शहरों मध्य प्रदेश, बिहार, यूपी, राजस्थान का सफर किया है, जहां ऐसे ही लोगों को देखा, उनके बीच वक़्त बिताया। लोगों को गौर से देखने और समझने की जो आदत है, वही मेरी एक्टिंग का आधार बन गई। इसलिए जब 'पंचायत' आई, तो वो बस एक प्रोजेक्ट नहीं लगा, वो अपना-सा लगा। हमने इसे बहुत सच्चाई से किया, और जो प्यार आज इसे मिल रहा है, वो उसी सच्चाई की पहचान है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

योग हम भारत वासियों के लिए नया नहीं है यह अति प्राचीन है जब साधु संत ऋषि मुनि जंगलों में रहा करते थे तो वह योग और ध्यान के माध्यम से ही ईश्वर से जुड़ा करते थे उनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता था कि योग के माध्यम से अपने शरीर को जीवन को स्वस्थ कैसे रखें ताकि साधना कर सके साधनों से तो जीवन जिया जाता है लेकिन साधना से उसे जीवन का परम तत्व प्राप्त किया जाता है जिस उद्देश्य से हमने इस धरती पर जन्म लिया है।

केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने 10 लाख रुपए के चेक वितरित किए

त्रिची में रक्षा पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को 1.50 करोड़ दिए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिची/चेन्नई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने 30 जूनको तिरुचिरापल्ली में रक्षा लेखा विभाग के 206वें स्पर्श आउटरीच कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस विशाल कार्यक्रम में त्रिची और आसपास के जिलों के 6000 से अधिक रक्षा पेंशनभोगी और पारिवारिक पेंशनभोगी शामिल हुए। अपने उद्घाटन भाषण में मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने कहा कि रक्षा पेंशनभोगी और रक्षा परिवार पेंशनभोगी केंद्र सरकार के पेंशन बजट का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं और केंद्र सरकार के कुल 56 लाख पेंशनभोगियों/पारिवारिक पेंशनभोगियों में से 57 प्रतिशत सशस्त्र बलों से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि यह स्पर्श प्रणाली रक्षा पेंशनभोगियों और परिवार पेंशनभोगियों को आसान और सुचारू पहुँच में मदद करेगी और वे अपने घर बैठे आराम से अपना काम पूरा कर सकेंगे।

समारोह का मुख्य आकर्षण केंद्रीय मंत्री द्वारा पांच स्पर्श मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाना था। ये पूरी तरह सुसज्जित स्पर्श मोबाइल वैन कल से शुरू होकर अगले दस दिनों तक तमिलनाडु के सभी जिलों में जाएँगी और रक्षा पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की शिकायतों का उनके घर पर ही समाधान करेंगी।□

डॉ. एल. मुरुगन ने 14 रक्षा पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को 1.50 करोड़ रुपये के चेक भी दिए, जिनकी शिकायतों का त्वरित समय में समाधान किया गया।

इस मौके पर रक्षा लेखा महानियंत्रक डॉ. मयंक शर्मा, लेफ्टिनेंट जनरल करनबीर सिंह बराड़, जीओसी, मुख्यालय दक्षिण भारत क्षेत्र और थिरु नैनार नागेंद्रन, विधायक भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

चेन्नई के रक्षा लेखा नियंत्रक टी. जयसीलन ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बताया कि रक्षा पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की समस्याओं के समाधान के लिए कंप्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर, फिंगर प्रिंट डिवाइस और इंटरनेट के साथ 75 काउंटर लगाए गए थे। सीडीए चेन्नई संगठन के 200 शिकायत अधिकारियों के साथ-साथ पीसीडीए (पेंशन) प्रयागराज, रिकॉर्ड कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और अन्य एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने रक्षा पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की स्पर्श संबंधी शिकायतों का समाधान किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, रक्षा लेखा महानियंत्रक, नई दिल्ली, डॉ. मयंक शर्मा ने कहा कि स्पर्श प्रणाली अनिवार्य रूप से पेंशनभोगी को केंद्र में रखती है और यह उपयोगकर्ता के अनुकूल है, वेब के माध्यम से सुलभ है और सहज बातचीत है। सिस्टम और सॉफ्टवेयर को लगातार अपडेट किया जा रहा है ताकि पेंशनभोगी अपने घर बैठे इसे आसानी से संभाल सकें। लेफ्टिनेंट जनरल करणबीर सिंह बराड़, जीओसी, मुख्यालय दक्षिण भारत क्षेत्र, चेन्नई ने भी इस अवसर पर बात की।

धर्म कर्त्तव्य के साथ ईमानदारी से जीने की शिक्षा देता है : कमलमुनि 'कमलेश'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मानव को अपनी आत्मा, परिवार, समाज, देश संपूर्ण मानवता और प्राणी मात्र के साथ किस प्रकार का व्यवहार करना इसका कर्तव्य बोध जिस उपासना पद्धति के माध्यम से होता है वहीं धर्म महान है। यह विचार एलपी श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ में सोमवार को राष्ट्र संत कमलमुनिजी 'कमलेश' की संबोधित करते हुए कहा कि कर्तव्य की उपेक्षा करके कर्मकांड करके धर्म की इतिश्री मान लेता है वह उपहास का पात्र बनता है। उन्होंने कहा कि विश्व का प्रत्येक धर्म कर्तव्य के साथ ईमानदारी से जीने की शिक्षा प्रदान करता है शिक्षा को जीवन में उतरना ही सच्चा धर्म पालन करना है।

मुनिश्री कमलेश ने बताया कि महापुरुषों कर्तव्य को ही धर्म का असली प्राण बताया है इसके बिना कठोरतम साधना कर ले तो भी धार्मिकता में प्रवेश नहीं कर सकता। राष्ट्र संत ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कर्तव्यों के प्रति जागरूक हो जाए तो विश्व की संपूर्ण समस्याएं स्वत हाल हो जाएगी विश्व शांति की स्थापना हो जाएगी।

जैन संत ने कहा ने दुख के साथ कहा की इतनी धर्म पंथ संप्रदाय प्रवचन सभाएं निरंतर हो रही है परंतु कर्तव्य नैतिकता और ईमानदारी के दर्शन दुर्लभ हो रहे हैं इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है।

घनश्याम मुनिजी, कौशल मुनिजी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए मंगलाचरण किया।

संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता विजय मालपानी, अजीत मुनोत, अभिनंदन कांकरिया, दिनेश खटोड़, राजेश चोरडिया, चिराग ललवानी आदि ने संतों का अभिनंदन किया। 8 जुलाई तक सभी संत यहीं विराजेंगे। 9 जुलाई को जैन भवन साहुकारपेट के लिए प्रस्थान करेंगे।

समाज के ज्वलंत मुद्दों को लेकर हुई मंथन बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। यहां कोयम्बटूर जैन महासंघ द्वारा जैन समाज की विभिन्न मुद्दों को लेकर एक मंथन सभा और समाधान की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए गए।

यहां गांधीपार्क स्थित तेरापंथ भवन में विभिन्न धार्मिक, प्रवासी जैन संघों एंव समाज के गणमान्यों की एक चिंतन मंथन सभे के आयोजन कोयम्बटूर जैन महासंघ द्वारा किया गया। मीडिया प्रभारी किशोर जैन ने बताया कि बैठक का शुभारंभ नवकार महामंत्र के उच्चारण से शुरू हुआ। इस कार्यक्रम में सबका स्वागत महासंघ के अध्यक्ष अरविंद शांतिलाल ने किया।

उपाध्यक्ष गुलाबचंद मेहता ने समाज की विभिन्न मुद्दो और समस्याओं के बारे में सबका ध्यान आकर्षित किया। पूर्व अध्यक्ष चंपालाल बाफना, पूर्व अध्यक्ष भवरलाल कोठारी, गौतमचंद बी. बाफणा, विजयचन्द झाबक, जयन्तिलाल मालू, घीसूलाल हिंगड़, धनराज चौरडिया, हसमुख वोहरा, प्रदीप श्रेवरूर, धर्मेंद्र जैन, किशोर जैन, उत्तम चंद पुगालिया, हेमंत कुमार भण्डारी और अन्य ने अपने विचार रखे। संचालन सचिव राकेश गोलेछा ने किया।

सह सचिव लितिन शाह ने आभार प्रकट किया।

मंथन बैठक में आज के जैन समाज के सामने मुख्य चुनौतियों में से एक है घटती जनसंख्या और विवाह योग्य जोड़ों की कमी पर चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त, आधुनिक जीवनशैली और वैश्वीकरण के प्रभाव से जैन धर्म और परंपराओं को संरक्षित करने की चुनौतियों के बारे में विचार विमर्श हुआ।

स्कूल के बच्चों को दी गई छात्रवृत्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरिहंत गिरी/चेन्नई। आचार्य श्री अकलंक एजुकेशनल ट्रस्ट के तत्वावधान में ऐतिहासिक तीर्थ स्थल अरिहंत गिरी के विशाल प्रांगण में सरिता जैन फाऊंडेशन ट्रस्ट चेन्नई द्वारा 600 से भी ज्यादा अधिक छात्र-छात्राओं को स्कॉलर शिप दी दी गई। स्कॉलरशिप चेन्नई के प्रायोजक महेंद्र कुमार-सरिता जैन रहे जो श्री क्षेत्र श्रवणबेलगोला के महामस्तकाभिषेक में सौधर्म इंद्र- इंद्राणी रहे हैं। सरिता तीर्थ क्षेत्र कमेटी में अध्यक्ष रही है आज भी अखिल भारतीय महिला समाज के अध्यक्ष हैं। इनको दक्षिण भारत के भामाशाह की उपाधि दी गई है अनेकों मंदिरों के जीर्णोद्धार आपके द्वारा किए गए हैं और कर रहे हैं। साधु संतों की सेवा में भी यह परिवार हमेशा तत्पर रहता है तमिलनाडु मद्रास में रहकर अनेकों धर्म कार्य कर रहे हैं उनके साथ उनके पुत्रों के द्वारा भी इस धर्म कार्य में हमेशा सहयोग मिलता रहता हैं, तमिलनाडु में अरिहंत गिरी श्री क्षेत्र है यहां पर महेंद्र सरिता जैन मुख्य ट्रस्टी भी है यहां पर तीस चौबीसी एवं 458 अकृत्रिम जिनबिंब का सर्वार्थसिद्धि जिनमंदिरम् के रूप में स्थापना की है। आज देश भर में भक्तगण आकर इसके दर्शन करके प्रसन्न हो रहे हैं। इसी क्षेत्र में सरिता-महेंद्र जैन के द्वारा स्कूल भी चलाया जाता है इस स्कूल का संपूर्ण खर्च भी यह परिवार करता है हर साल यहां के स्कूल के बच्चे शत प्रतिशत रिजल्ट देते हैं। तमिलनाडु में अनेकों प्राचीन जैन मंदिर है जहां के 200 से भी अधिक पुजारी की हर महीने की तनख्वाह एवं चावल दान इस परिवार के द्वारा दिया जाता है । प्रतिवर्ष कम से कम 600 बच्चों के लिए 2 करोड रुपए स्कॉलरशिप के रूप में प्रदान करते हैं।

इसी श्रृंखला में रविवार को श्री क्षेत्र अरिहंत गिरी में परम पूज्य भट्टारक चिंतामणि धवलकीर्ति महास्वामी जी के सानिध्य में वंदेवासी, आरणी, तिंडीवनम् विल्लुपुरम, कांचीपुरम तिरुवन्नामलाई एवं तिरुमलाई सहित तमिलनाडु के 40 गांव के 600 से भी अधिक बच्चों को स्कॉलरशिप प्रदान की गई इस अवसर पर तिरुवन्नामलई के सांसद निवेथन उपस्थित रहे जिन्होंने प्रतिभावान छात्रों को चेक देकर स्कॉलरशिप प्रदान की।

आज की सतर्कता कल का जीवन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जयगोपाल गारोदिया विवेकानंद विद्यालय के शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए सड़क सुरक्षा गश्ती उद्घाटन समारोह में सोमवार को को विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. बी. सेल्वनाथन एसआर. डीपीओ पश्चिम थे तथा मुख्य अतिथि डॉ. सीआर लॉरेंस डीपीओ आरएसपी पश्चिम तथा श्री एस. सागया कुमार एडीपीओ आरएसपी पश्चिम थे।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना गीत से हुई, जिसके बाद मुख्य अतिथि का परिचय और स्वागत हुआ तथा मुख्य अतिथियों को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा पर व्याख्यान दिया, जिसके बाद सभी ने आरएसपी शपथ ली।

मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों ने विद्यार्थियों को सुरक्षा नियमों के बारे में बताया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

अग्रवाल महिला समिति द्वारा पॉडकास्ट व क्विज़ कार्यक्रम का सफल आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री अग्रवाल सभा चेन्नई की महिला इकाई अग्रवाल महिला समिति द्वारा रविवार को अन्ना नगर स्थित एसआरकेके भवन में महिलाओं और बच्चों के लिए एक रोचक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दो प्रमुख सत्र पॉडकास्ट और क्विज प्रतियोगिता आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत समिति की अध्यक्ष सुनीता खेमका तथा अग्रवाल सभा अध्यक्ष विजय गोयल, अशोक केडिया, रामअवतार रुंगटा, प्रभाष खेमका, आशीष गुप्ता, दीपक गुप्ता द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मुख्य अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। क्विज प्रतियोगिता का संचालन चांदनी खेमका एवं प्राची रामगढ़िया ने किया, जबकि पॉडकास्ट सत्र का संचालन सुनीता खेमका द्वारा किया गया, जिसमें बच्चों ने रामायण के पात्रों जैसे रावण, कैकेई आदि की भूमिकाएं निभाईं। प्रतिभागियों को ट्रॉफियाँ वितरित करने का गौरव किशनलाल मोदी को प्राप्त हुआ। समिति की सक्रिय सदस्याएं सुचि गोयल, अनुराधा गुप्ता, उषा अग्रवाल, ऋतु पित्ती तथा आरती रामगढ़िया रही। कार्यक्रम के मुख्य उपहार प्रायोजक शशी अग्रवाल तथा अंजु टिबरेवाल रहे। यह आयोजन महिला समिति की रचनात्मकता और सामूहिक प्रयासों का प्रतीक रहा।

प्रसन्न धोका बने तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु के नए अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु की 42वीं वार्षिक साधारण सभा तेरापंथ भवन में आयोजित हुई। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन निवर्तमान अध्यक्ष रजत बैद ने किया। सहमंत्री अंकित छाजेड़ ने पिछले वर्ष की कार्यवाही का वाचन किया। अध्यक्ष विमल धारीवाल ने अध्यक्षीय भाषण में अपने कार्यकाल की उपलब्धियों और सेवा कार्यों की संक्षिप्त जानकारी दी।

मंत्री राकेश चोरड़िया द्वारा मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। कोषाध्यक्ष महेन्द्र कोचर ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया।

इस मौके पर सेवानिवृत सदस्यों व अन्य सदस्यों का सम्मान किया गया।

हिन्दी साहित्य अकादमी पत्रकारों को सम्मानित करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी का वार्षिक समारोह 22 और 23 अगस्त को चेन्नई महानगर के गुरु नानक महाविद्यालय के सभागार में संयुक्त तत्वावधान में होगा। इस अवसर पर आयोजित सेमिनार का मुख्य विषय है- 'हिंदी पत्रकारिता का वैश्विक परिदृश्य।' सेमिनार में भाग लेने के लिए विभिन्न महाविद्यालयों के विद्वानों, साहित्यकारों, पत्रकारों, विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रण पत्र भेजा जा रहा है। इस अवसर पर अकादमी द्वारा विशेष रूप से चुने हुए पत्रकारों का सम्मान भी किया जाएगा। अकादमी के महासचिव ईश्वर करुण ने बताया कि इस आयोजन का एक मुख्य आकर्षण तमिलनाडु से प्रकाशित पत्र-पत्रिकाओं की प्रदर्शनी और तमिलनाडु के हिन्दी लेखकों की पुस्तकों की प्रदर्शनी होगी। समारोह आयोजन समिति तैयारी में लगी है।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, तन-मन को बनाएं सशक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां नार्थ टाउन के क्लब हाउस प्रांगण में एक अत्यंत प्रेरणादायक स्वास्थ्य जागरूकता एवं जीवन परिवर्तनकारी सेमिनार का आयोजन महावीर इंटरनेशनल चेन्नई नार्थ टाउन द्वारा एन्टोरवा के सहयोग से किया गया।

जिसमें प्रमुख रूप से मार्गदर्शन प्रख्यात स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. अनिल जैन, डॉ. हर्षित जैन एवं ऋषभ जैन ने प्रदान किया। उन्होंने इस दो दिवसीय सेमिनार में सभी

उपस्थितजनों को अत्यंत सरल एवं प्रभावी रूप में यह बताया कि हम अपनी दैनिक जीवनशैली में कुछ आवश्यक बदलाव करके ना केवल अच्छे स्वास्थ्य की प्राप्ति कर सकते हैं बल्कि मानसिक रूप से भी शांत और तनावमुक्त जीवन जी सकते हैं। साथ ही जिन रिफ्लेक्सोलॉजी के माध्यम से बीमारी का इलाज कैसे किया जाता है इसका प्रशिक्षण भी दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञानचंद कोठारी ने बताया कि जीवन में यदि हम 21 मुख्य उपायों को नियमित रूप से अपनाए तो न केवल हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है बल्कि हमारा शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक संतुलन भी स्थिर रहता है।

डिप्टी डायरेक्टर महावीर सबदडा ने बताया कि जिन रिफ्लेक्सोलॉजी के माध्यम से चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत सात राज्यों के 19 शहरों में 20 सेमिनार आयोजित किए जा चुके हैं जो कि भारत का सबसे बड़ा स्वास्थ्य जागरूकता अभियान बन चुका है। शिविर के प्रायोजक शांतिलाल संजय चौधरी का सम्मान सचिव रमेश नाहटा व सह सचिव महावीर सबदडा ने किया।

संयोजक ज्ञानचंद कोठारी ने जीन रिफेक्सालोजी के जनक अनील जी परिचय दिया। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष बुधप्रकाश डोशी, अरविंद मोदी, निर्मल तातेड , विकास मरडिया, नरेंद्र चौधरी आदि ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया। सचिव रमेश नाहटा ने इस सफल आयोजन के लिए डॉ. अनिल जैन एवं उनकी सम्पूर्ण टीम का हार्दिक आभार प्रकट किया।

अशोक भंडारी बने जेवाईएस सेवा ट्रस्ट के नए अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन युवा संगठन(जेवाईएस) सेवा ट्रस्ट की रविवार को आयोजित साधारण सभा में अध्यक्ष सुरेश धोका ने सभी का स्वागत किया। मंत्री सुरेश मांडोत ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष कमल पुनमिया ने लेखा जोखा प्रस्तुत किया। सभा में अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल की पूर्णाहुति की घोषणा की। सर्वसम्मति से वर्ष 2025-2% के लिए अशोक भंडारी को ट्रस्ट का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.